

न्यूज़ डायरी

संतों की शिक्षाओं को जीवन में उतारने का संदेश

करनाल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जहां पूरा भारत राष्ट्रभक्ति, गौरव और उल्लास के साथ स्वतंत्रता का पर्व मना रहा था, वहीं संत निरंकारी मिशन ने बहमंहाला के माध्यम से आंतरिक स्वतंत्रता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। मिशन की ओर से रेलवे रोड स्थित संत निरंकारी सत्यम भवन में मुक्ति पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में हजुरी ज्ञान प्रचारक भाई नरपाल सिंह ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए माता सेविंद जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने लाइट हाउस का उद्घाटन देते हुए कहा कि परिस्थितियां कैसी भी हों, मनुष्य को अपने भीतर शांति, प्रेम और सकारात्मकता की रोशनी बनाए रखनी चाहिए।

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की दिलाई शाय



करनाल। जिला पुलिस करनाल की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम ने सहायक उप निरीक्षक जगमाल के नेतृत्व में राजकीय मिडिल स्कूल पखाना, थाना तरावड़ी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक पूनम सहित डॉ. पूजा और डॉ. प्रियंका मौजूद रहीं। विद्यार्थियों को नशे के कारण होने वाली शारीरिक एवं मानसिक हानियों तथा नशे की लत से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करने के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। विद्यार्थियों को स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके खिलाफ जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशा विरोधी शाय दिलाई गई। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे। जिला पुलिस ने आमजन से अपील की कि नशे के विरुद्ध वचाए जा रहे अभियान में पुलिस का सहयोग करें और नशीले पदार्थों से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना पुलिस को उपलब्ध करवाएं।

वाहन चोरी के दो मामलों में आरोपी गिरफ्तार

करनाल। जिला पुलिस की ओर से वाहन चोरी की वारदात पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी ठीकल शेप्ट स्ट्राफ प्रमारी सुरिंदर कुमार के नेतृत्व में मुख्य सिपाही सुखमिंदर सिंह की टीम ने कारवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अक्षय उर्फ मौजू पुत्र जोगिंद सिंह निवासी सेक्टर-12 पार्ट-2, मॉडल टाउन, बड़ी मार्केट, वाल्मीकि बस्ती, थाना सिविल लाइन, करनाल के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना शहर करनाल और थाना घरोड़ा से संबंधित दूसरे मामलों में चोरी की एक अन्य स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद करवाई। इस प्रकार आरोपी के कब्जे से कुल दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। आरोपी को नियमानुसार अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे ब्याथिक हिरासत में भेज दिया गया।

छात्राओं को किया जागरूक

करनाल। राजकीय महिला महाविद्यालय करनाल के विधिक साक्षरता प्रकल्प की ओर से 'राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका एवं विकसित भारत-2047' की परिकल्पना विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से अवगत कराना था। जिला एवं सन व्याख्यापक करनाल के अधिवक्ता जितेंद्र रंगा मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा, आत्मनिर्भरता, समान अवसर, नेतृत्व क्षमता और कानूनी जागरूकता के माध्यम से महिलाएं समाज और राष्ट्र के विकास में प्रभावी योगदान दे सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि जागरूक एवं सशक्त महिलाएं ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला रख सकती हैं। उन्होंने छात्राओं से शिक्षा को सफलीकरण का माध्यम बनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। व्याख्यान में विकसित भारत-2047 की परिकल्पना पर भी चर्चा की गई। छात्राों ने विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रचार्य डॉ. विवेक रंगा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में सामाजिक जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विद्यार्थियों को नालसा योजना की दी जानकारी



करनाल। जिला एवं सत्र व्यायाधीश अजय कुमार शारदा तथा मुख्य व्यापिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पीपलवाी इक्का पाल और अधिवक्ता इकबाल खान ने एसडी गव्स सैमियर सेंकेडरी स्कूल करनाल में जागरूकता शिविर लगाया। उन्होंने विद्यार्थियों को नालसा योजना, राष्ट्रीय लोक अदालत और कानूनी सहायता केंद्र के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों को मुक्त कानूनी सहाय एवं सहायता की प्रक्रिया से भी अवगत करवाया गया। पीपलवाी इक्का पाल ने नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल के हेल्पलाइन नंबर 0184-2266138, पुलिस सहायता नंबर 112 और साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से इन हेल्पलाइन नंबरों का आवश्यकता पड़ने पर स्वयं तथा परिवार और समाज के हित में उपयोग करने की अपील की। नगरपालिका व फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की हड़ताल 17वें दिन भी रही जारी

सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी



इंद्री। राज्य कमेटी के आह्वान पर इंद्री नगर पालिका कर्मचारी संघ और फायर ब्रिगेड कर्मचारी संघ की हड़ताल शनिवार को 17वें दिन भी जारी रही। हड़ताल की अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रधान बुधराम और फायर ब्रिगेड कर्मचारी संघ के प्रधान राजनीश ने की, जबकि मंत्र संचालन सुरजीत सिंह ने किया। धरने के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की।

घरौंडा में जन

सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

- संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज़ ►►घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द कल्याण ने आज घरौंडा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत करीब चार घंटे तक लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए। नगर निगम करनाल, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कालेज के कच्चे कर्मचारियों ने अलग-अलग ज्ञापन देकर सेवा सुरक्षा की मांग की। कार्यक्रम में कल्पना चावला के अनुबंधित कर्मचारियों की ओर से श्री कल्याण को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि उन्हें कार्य करते हुए 5 साल से अधिक हो चुके हैं। निदेशक द्वारा उनके फार्म सत्यापन किए जाने के बावजूद पोर्टल पर रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से करीब 7000 कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम में कार्यरत कर्मचारियों ने भी अलग से ज्ञापन देकर एचकेआरएनएल के तहत सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की

कच्चे कर्मियों ने सौंपे ज्ञापन सेवा सुरक्षा दिलाने की गुहार



घरौंडा। पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउस में जनसमस्याएं सुनते हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द कल्याण। फोटो :

गुहार लगाई। नगर निगम करनाल के कर्मचारियों की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगमों, परिषदों और पालिकाओं के कच्चे कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी की परिधि से बाहर कर दिया गया है जबकि उन्हें वेतन एचकेआरएनएल के माध्यम से दिया जा रहा है।

जनसुनवाई के दौरान कोहंड में गोस्वामी सामुदायिक केंद्र के आकार को बड़ा करने, नगला फार्म राजकीय प्राथमिक पाठशाला की चारदीवारी व मेन गेट का निर्माण कराने, गांव में सामुदायिक केंद्र व गलियों को पक्का कराने की मांग की गई। कलवेहड़ी के ग्रामीणों ने पार्क बनवाने और घरौंडा के लोगों ने सैनी चौपाल का कार्य पूरा कराने, डेरा रामरंग के अस्थायी रास्ते को पक्का कराने की गुहार

विधानसभा क्षेत्र मेरा

परिवार : कल्याण

पत्रकारों से बातचीत में श्री कल्याण ने कहा कि उन्होंने हर हफ्ते जनसुनवाई कार्यक्रम निश्चित किया हुआ है। इसके माध्यम से लोगों से मुलाकात भी हो जाती है और जो भी समस्याएं सामने आती हैं, उनमें से अधिकांश के समाधान का प्रयास किया जाता है। कुछ नए विषय भी सामने आते हैं। व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा विकास संबंधी नए काम भी लोगों द्वारा रखे जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रयास रहता है कि लोगों की समस्याओं का सही तरीके से निवारण हो। घरौंडा विधानसभा क्षेत्र को तो उन्होंने परिवार माना है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि उपमंडल स्तर लघु सचिवालय के अलावा अधिकारियों के लिए आवास की व्यवस्था हो। जमीन उपलब्ध न होने के कारण अभी तक आवासीय कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था नहीं हो सकी है। जमीन के लिए प्रयास जारी है।

के एसडीएम राजेश सोनी, डीएसपी मनोज कुमार, विद्युत निगम के एक्सईएन राजीव ढिल्लों, मार्केट कमेटी चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, भाजपा जिला महामंत्री सुभाष कश्यप एसडीओ पंचायती राज जयभगवान, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, बीडीपीओ सोमवीर खटकड़, तहसीलदार अरविंद आदि मौजूद रहे।

विकास कार्यों की गुणवत्ता ही पहचान : चौहान

करनाल। ग्रामीण विकास कार्यों की सफलता केवल निर्माण पूरा करने में नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और टिकाऊपन में निहित है। विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रत्येक तकनीकी अधिकारी की भगवत्पू्ण जिम्मेदारी है। यह बात हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कही। वे संस्थान में गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। डॉ. चौहान ने कहा कि जापान अपनी प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता के लिए जाना जाता है।

इसी प्रकार विकसित भारत और विकसित हरियाणा की पहचान भी कार्यों की गुणवत्ता होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्य सीधे आमजन के जीवन से जुड़े होते हैं। इसलिए इनमें गुणवत्ता, पारदर्शिता और निष्पक्षित तकनीकी मानकों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी अधिकारियों की सजगता और दक्षता से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बेहतर होने के साथ सरकारी संसाधनों का प्रभावी उपयोग भी सुनिश्चित होता है। उन्होंने अभियंतों से प्रशिक्षण को केवल औपचारिकता न मानकर तकनीकी ज्ञान बढ़ाने का अवसर बनाने का आह्वान किया।

स्ट्रीट लाइट खराब होने की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें

हरिभूमि न्यूज़ ►►करनाल

शहर में बेहतर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था और नागरिकों को रात के समय सुरक्षित आवागमन उपलब्ध करवाने को लेकर महापौर रेणु बाला गुप्ता ने अधिकारियों को सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

महापौर ने कहा कि स्ट्रीट लाइट खराब होने की शिकायत आने के बाद कार्रवाई करने के साथ-साथ विद्युत शाखा के अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में जाकर व्यवस्था का जांचना लें। छोटी कमियों को समय रहते दूर किया जाए, ताकि वे बड़ी समस्या न बनें। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़कों, बाजारों, चौक-चौराहों, आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। खराब स्ट्रीट लाइट और हाई मास्ट लाइट से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया

आड़तियों को विकास रेली के लिए दिया न्योता

तरावड़ी । तरावड़ी अनाज मंडी में होने 30 अगस्त को होने वाली प्रस्तावित विकास रेली के लिए स्थानीय विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने तरावड़ी अनाज मंडी में आड़तियों के साथ बैठक करके रेली में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उल्लेखनीय है इस विकास रेली को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संबोधित करेंगे। भगवान दास कबीरपंथी के साथ, तरावड़ी के प्रधान सुभाष गुप्ता, मार्केट कमेटी चैयरमैन रणदीप चौधरी, उपचेयरमैन राजीव नारंग, रमेश गुप्ता, राकेश गर्ग, प्रदीप गुप्ता, विनीत बंसल, मंडल अध्यक्ष रंजीत भारद्वाज, अशोक बंसल, रामनिवास बंसल, यश सलुजा, जालिन सिंगला सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर मंडी प्रधान सुभाष गुप्ता ने विधायक को मंडी की समस्याओं को हल करवाने की मांग की। गुप्ता ने एक मांगपत्र विधायक को देकर उनको पूरा करवाने का कहा । विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सुबह 10 बजे इस दौरान जनसभा को संबोधित करेंगे।

भाविप घरौंडा ने लगाया फ्री हेल्थ चेकअप कैम्प

घरौंडा। भारत विकास परिषद शाखा घरौंडा द्वारा 12 अगस्त से चलाये जा रहे संस्कृति पखवाड़े के अंतर्गत को मंडी मनी राम जीटी रोड घरौंडा पर किया। सर्वप्रथम माँ भारती और स्वामी विवेकानंद जी चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रचलनलन करके मुख्य अतिथि राजीव महाना और डॉ हर्ष और डॉ इशित कमल के द्वारा कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। परिषद अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्षोंने मुख्य अतिथि राजीव महाना व डॉ हर्ष डॉ इशित कमल का अंग वस्त्र पहना कर और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। मुख्य अर्थीति राजीव महाना ने भारत विकास परिषद द्वारा चलाये जा रहे लोक कल्याण व सामाजिक उथान के कार्यों की एक स्वर मे प्रशंसा की तथा शाखा द्वारा किये जा रहे कार्य की विस्तारपूर्वक जानकारी ली ओर भविष्य मे हर पल अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया डॉ इशित कमल ने इस प्रकार के सेवा कार्य लगातार करते रहने की आवश्यकता पर बल दिया और क्षेत्रवासियों को इसका लाभ लेने का आग्रह किया।

करनाल हरिभूमि 8

न्यूज़ डायरी

जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का मध्य शुभारंभ

करनाल। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन, करनाल की ओर से आयोजित 59वीं जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 का शनिवार को करन स्टेडियम में मध्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता 22 से 24 अगस्त तक चलेगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ अंशुष के विधायक योगेन्द्र राणा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

लिबर्टी शूज लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक रमन बंसल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष रमन बंसल ने कहा कि चैंपियनशिप का उद्देश्य बच्चों से लेकर वरिष्ठ खिलाड़ियों तक सभी आयु वर्गों को बेहतर मंच उपलब्ध करवाना और करनाल में बैडमिंटन खेल को अधिक लोकप्रिय बनाना है। इस अवसर पर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव दीपक पंडित, संरक्षक हरीश मक्कड़, तकनीकी सलाहकार गुरमीत कापूर, कोषाध्यक्ष अंजलि शर्मा, प्रदीप चौमा, चिकित महजान, राहुल चानन, डॉ. बुज, योगेश अरोड़ा सहित एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

एसडीएम ने एसआईआर बूथों का किया निरीक्षण

करनाल। एसडीएम एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र शर्मा ने शनिवार को करनाल विधानसभा क्षेत्र में स्थापित विभिन्न एसआईआर बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथों पर विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत चल रहे दावे एवं आपत्तियों से संबंधित कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने अब तक पूरे किए गए एसआईआर कार्यों का रिकॉर्ड जांचा तथा लॉबिअ आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को कार्य में पूरी पारदर्शिता बरतने और बूथ पर आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। एसडीएम ने पात्र नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित तिथियों का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करें और आवश्यक संशोधन के लिए मतदान केंद्र पर अवश्य पहुंचें।

सरकार से समझौता लागू करने की मांग

करनाल। नगरपालिका कर्मचारी संघ के बैरत तले सफाई कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को भी जारी रही। कुरुक्षेत्र में यंत्री एवं अधिकारियों से साथ राज्य कमेटी बैठक एक बार फिर बेनतीजा रहने के बाद कर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। संघ ने स्पष्ट किया कि एक तक कच्चे सफाई कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं डेअर-डू-खर कूड़ा उठाने वाले कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हो गए हैं। नगरपालिका कर्मचारी संघ की करनाल इकाई के प्रधान राजकुमार ने कहा कि सरकार 13 मई को हुए समझौते को लागू करें। समझौते के तहत सभी कच्चे सफाई कर्मचारियों को पक्का किया जाना चाहिए तथा ठेका प्रथा बंद होनी चाहिए। इस अवसर पर संगठन सचिव बिंदर चौहान, शारदा, राजेंद्र बुबक, अमित बिगनिया, राजीव, धर्मवीर सरोहा, नरेश अटवाल, मीना देवी, राजेंद्र लोहट, रोहताश, सरोज देवी, दिनेंद्र प्रोवा, सतपाल, जनी सौदा, सुरेंद्र प्रोवा, सुभा, संतोष और वीरमन सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्रों ने आईआईएसईआर मोहाली का दौरा किया

करनाल। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजय दहिया और मयंक वर्मा के निदेशानुसार करनाल जिले के विद्यार्थियों ने आईआईएसईआर मोहाली का शैक्षिक भ्रमण किया। राजकीय संघ संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, घरौंडा से पक्वता रसायन विज्ञान परवीन कुमार के नेतृत्व में 12वीं कक्षा की अश्लेषा और गीतिका तथा 11वीं कक्षा की कोमल और शिखा ने भ्रमण में भाग लिया। पीतव एपीसी ने बताया कि भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा बढ़ाना था। विद्यार्थियों ने विज्ञान संग्रहालय और विज्ञान प्रदर्शनी का भ्रमण किया तथा विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों, प्रयोगों और तकनीकों उपकरणों को करीब से देखा।

डीआईईटी में 231 विज्ञान शिक्षकों को प्रशिक्षण



करनाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विज्ञान शिक्षकों की शिक्षण दक्षताओं को मजबूत करने और उन्हें आधुनिक एवं प्रभावी शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराने के उद्देश्य से आईएफआईसी विंग, डीआईईटी करनाल की ओर से विज्ञान विषय के शिक्षकों के लिए स्वतः व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम डीआईईटी करनाल के प्राचार्य रोहनराव वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। आईएफआईसी प्रमारी मुनीश कुमार और सहायक प्रोफेसर गणित डॉ. नरेंद्र कुमार ने कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय किया। प्रशिक्षण में कुल 231 विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। इनमें जीव विज्ञान के 40 सनातकोतर अध्यापक तथा विज्ञान विषय के 191 प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक शामिल रहे। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थी-केंद्रित, दक्षता आधारित, गतिविधि आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण की नवीन विधियों से परिचित कराना रहा।

मुल्तान ज्योत महोत्सव धूमधाम से मनाया

तरावड़ी। श्री मुल्तान जोत रसा तरावड़ी की ओर से शनिवार को मुल्तान जोत महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि विधायक भगवान दास कबीरपंथी, पंजाबी धर्मशाला के प्रधान नवकिशोर खुराना, पंजाबी सभा के प्रधान राजीव नारंग, समाजसेवी हनूनी चौधरी, बैद सलूजा ने शिरकत की। इन सबका तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक भगवान दास कबीरपंथी व अन्य गणमान्य लोगों ने जोत प्रंद व की। कार्यक्रम ने सांघ भजन गायक शांशक सागर द्वारा काह्ता जी के भजनों का गुणगान किया गया। इसके साथ ही श्री राम के भजनों का गुणगान किया। इस अवसर पर रसमी अद्वैतरूप महराज ने अपने प्रवचनों द्वारा उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के पश्चात नगरखेड़ा से ज्योत की शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा मेन बाजार से होते हुये महाबीर मन्दिर डैरी वाला मे रात्रि विश्राम के लिये रुकेगी और प्रातः 4 बजे यहा से हरिद्वार के लिये प्रस्थान करेगी। इस अवसर पर समाज के बुजुर्गों स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर सभा के संरक्षक हंसरज पालुजा, मदन लाल सचदेवा, उद्योगपति यश सलूजा, समाजसेवी योगेश सरदाना, पार्षद सुरेंद्र खुराना, नपा सचिव अजीत कुमार अरोड़ा, पार्षद ओम प्रकाश मल्होत्रा, पार्षद नरेश गाँव, देवेन्द्र कामरा, हरीश मदान, सुरेन्द्र सरदाना, मुकेश सचदेवा, मेनो कामरा, जाय भगवान सौकरी, सुरेंद्र कुमार, गौरव कामर, लक्ष्मण दास सेठी, हरीश पालुजा, सुभाष सचदेवा, रविन्द्र कक्कड़, जानी सरदाना, प्रवीण बत्रा, लक्की सेठी, संधीप पालुजा व काफी सख्यां महिलायें में उपस्थित थी ।

सावन ज्योत महोत्सव पर निकाली शोभायात्रा

इंद्री। सावन ज्योत महोत्सव सभा इंद्री द्वारा सावन ज्योत महोत्सव को लेकर कस्बे ने एक शोभा यात्रा निकाली गई। इस मौके पर मुख्यअतिथि के तौर पर विधायक रामकुमार कश्यप व पूर्व मंत्री भीमसेन मेहता ने शिरकत की। आचार्य रामलाल शास्त्री ने पुजा अर्चन करवाई। इंद्री सावन ज्योत महोत्सव सभा के प्रधान ऐडवोकेट तरुण मेहता ने बताया कि इंद्री मे सावन ज्योत को लेकर विशाल शोभा यात्रा रथ बगगी, बैड बाजो,ढोल व झांकियों के साथ बड़ी धूमधाम से निकाली गई। यह यात्रा गीता मंदिर से चलकर मुख्य बाजार से होती हुई पश्चिमी यमुना नहर पर जोत प्रवाहित कर सम्पन्न हुई और रविवार सुबह 5 बजे बसो द्वारा हरिद्वार के लिए रवाना होगी। इस ज्योत को हरिद्वार गंगा जी ने शोभायात्रा द्वारा बड़ी श्रद्ध के साथ प्रवाहित किया जाएगा । श्री सनातन मंत्र गीता मंदिर के प्रधान सतीश भाटिया ने बताया कि इस यात्रा का बाजार ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया व प्रसाद वितरण किया गया। तरुण मेहता, विक्की मल्होत्रा व प्रिंस धृष्टिमा ने बताया कि सावन ज्योत की परंपरा पिछले 116 सालों से पाकिस्तान के मुलतान जिले से आरम्भ हुई थी। इसकी शुरुआत मगत लाला रूप चन्द द्वारा की गई थी। उस समय लोग वहां से पैदल चक्कर हरिद्वार गंगा जी ने ज्योत विस्र्जन करने आते थे। इसी परंपरा को सभा द्वारा आगे बढ़ाते हुए इस साल नौवां सावन ज्योत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस महोत्सव मे इंद्री हल्के के अलावा पूरे विश्व भर से पंजाबी व मुलतानी शिबदारी के लोग हरिद्वार पहुंचकर गंगा जी में सावन व पूजाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस मौके पर सतीश भाटिया, विक्की मल्होत्रा, गौरव प्रिंस धृष्टिमा, ओम प्रकाश अरोडा, विक्की कलंडा, सच्ची बजाज, सुदर्शन बजाज, आदि मौजूद रहे।

ख़बर संक्षेप

नव विद्यार्थियों का स्वागत किया

पानीपत। देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय, हुडा सेक्टर-18 में बीए, बीकॉम, बीएससी, बीसीए एवं बीबीए के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों, विभिन्न समितियों, सुविधाओं और उपलब्ध अवसरों से परिचित कराना रहा। इधर, कॉलेज के प्राचार्य सुभाष चंद्र जांगलान ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर शिक्षक डॉ. नरसिंह जांगड़ा, डॉ. नरेश ढांडा, डॉ. सुनीता चांद, डॉ. दलवीर देसवाल, डॉ. सुमित्रा विज, डॉ. सविता नैन, डॉ. दीप्ति गाबा, मोनिका, डॉ. विवेक आदि ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

पवन के एजी बनने पर खुशी का माहौल

पानीपत। नायब सैनी सरकार ने सीनियर वकील पवन कुमार मुटनेजा को हरियाणा का नया एडवोकेट जनरल बनाए जाने पर पानीपत में खुशी का माहौल है। स्मरणीय है कि पवन पानीपत के मूल निवासी है और प्रसिद्ध डॉक्टर रहे प्रेम के पुत्र है। डॉ प्रेम के नाम से ही प्रेम अस्पताल है। पवन के भाई डॉ. पंकज मुटनेजा हैं। वहीं, प्रतिष्ठित चिकित्सा पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने के बावजूद पवन मुटनेजा ने कानून के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई।

चरस की खेप के साथ आरोपी पकड़ा

पानीपत। एंटी नार्कोटिक्स सेल पुलिस टीम ने सनौली रोड पर दीपक पुत्र राजेंद्र निवासी हरि नगर, मुजफ्फरनगर युपी को गिरफ्तार किया और इसको बाइक पर बंधे बैग से 1.100 किलोग्राम चरस बरामद हुई है। थानेदार सुभाष ने बताया कि दीपक से बरामद चरस व बाइक को केस की जांच के लिए ईपाउंड कर लिया है। जबकि दीपक पर थाना सनौली में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। वहीं पुलिस ने दीपक को कोर्ट में पेश कर छह दिन के रिमांड पर लिया है।

पुलिस ने कट्टे के साथ बिल्ली पकड़ा

पानीपत। एंटी एक्सटर्सास सेल पुलिस टीम ने शोभी उर्फ बिल्ली पुत्र वकील निवासी राजा मोहल्ला, शामली, उत्तर प्रदेश हाल किरायेदार अर्जुन नगर काबड़ी रोड को अवैध देसी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। थानेदार रमेश ने बताया कि शोभी पर थाना चांदनी बाग में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है।

बेटे का हत्यारोपी पिता पकड़ा

पानीपत। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने गांव बिंझौल में बेटे रविंद्र की चाकू से वार कर हत्या करने के मामले में आरोपी पिता रणबीर को गिरफ्तार किया। थानेदार जगमहेंद्र ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में आरोपी रणबीर ने मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके अपने छोटे बेटे प्रवीन के साथ मिलकर बड़े बेटे रविंद्र की हत्या करना स्वीकारा। स्मरणीय है कि थाना माडल टाउन की आठ मरला चौकी में मुक्त की पत्नी अनु की शिकायत पर केस दर्ज है।

अधिकारियों का अभिनंदन किया

पानीपत। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत पानीपत कार्यकारिणी टीम ने संगठन के विशेष अभियान 'चलो कार्यालय की ओर' के तहत उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ, एसडीएम मंदीप कुमार, जिला लोक संपर्क अधिकारी डॉ. सुनील बस्ताड़ा, जिला उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष आरके डोगरा एवं जिला उपभोक्ता मंच की सदस्य डॉ. रेखा चौधरी से भेंट की। सभी अधिकारियों को संगठन की डायरी व राष्ट्रीय स्मरिका देकर उनका अभिनंदन किया।

पुलिस कप्तान से शिकायत की

पानीपत। पानीपत के गांव गढ़ सरनाई निवासी पूजा पत्नी रमेश नाथ व कामनी पत्नी प्रवीन नाथ ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर कुछ लोगों पर मारपीट, जेवरात चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

इससे पूर्व वर्ष 2022-23 में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त कोषाध्यक्ष भी रह चुके

रीपल की पत्नी गीता रानी पानीपत नगर निगम की पार्षद रह चुकी

हरिभूमि न्यूज़ ►► पानीपत

पानीपत के मूल निवासी और सुप्रीम कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता रीपल कंसल ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में कोषाध्यक्ष के पद पर जीत दर्ज की है। कंसल की जीत पर सुप्रीम कोर्ट में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम के दौरान देश के मुख्य न्यायाधीश ने रीपल कंसल को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पानीपत के रीपल कंसल बने सुप्रीम कोर्ट बार संघ के कोषाध्यक्ष

कंसल की जीत पर सुप्रीम कोर्ट में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम के दौरान देश के मुख्य न्यायाधीश ने रीपल कंसल को बधाई दी

रीपल कंसल का परिवार जनसेवा व शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय



स्मरणीय है कि रीपल कंसल उस समय देशभर की सुर्खियों में आ गए थे, जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बड़े और प्रभावशाली लोगों के मुकदमों को मिलने वाली प्राथमिकता और आम गरीबों के केसों की अनदेखी के खिलाफ जोरदार तरीके से आवाज उठाई थी। मामले पर कोर्ट द्वारा उन पर 100 रुपये का सांकेतिक जुर्माना लगाया गया था। इसके विरोध और रीपल कंसल के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के साथी अधिवक्ताओं ने एक-एक कर 50-50 पैसे के सिक्के एकत्र किए और कोर्ट में जुर्माना भरकर अपनी अटूट एकजुटता दिखाई थी। यह मामला देश भर में काफी चर्चित रहा था। वहीं, रीपल कंसल का परिवार जनसेवा व शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय है। रीपल की पत्नी गीता रानी पानीपत नगर निगम की पार्षद रह चुकी है। जबकि उनकी पुत्री अंशिका कंसल चार्टर्ड अकाउंटेंसी व पुत्र आदी कंसल बीटेक का विद्यार्थी हैं। रीपल ने अपनी वकालत की शुरुआत पानीपत कोर्ट से की थी, बाद में वे दिल्ली स्थानांतरित हो गए। कंसल इससे पूर्व वर्ष 2022-23 में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त कोषाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

कोविड पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़े

कंसल कोविड महामारी के दौरान पीड़ित परिवारों को वित्तीय सहायता दिलाने के लिए वे सुप्रीम कोर्ट तक लड़े, जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई। उन्होंने वन नेशन वन राशन कार्ड प्रवासी मजदूरों को देश में कहीं भी राशन की सुविधा दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कंसल ने थैलेसीमिया नीति व जन औषधि केंद्र देश में सरती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और थैलेसीमिया पीड़ितों के इलाज के लिए राष्ट्रीय नीति बनवाने में कानूनी पैरवी की। इधर, रीपल कंसल को मिली सफलता पर पानीपत बार में खुशी का माहौल है। पानीपत बार से चुनाव अधिकारी एवं सीनियर अधिवक्ता करन सिंह पानू, अमित राठी, जुगविंद मलिक, मोहन सिंह, दीपक मलिक आदि अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई दी है।

समालखा बार एसो. के चुनाव नौ सितंबर को



समालखा। बार संघ के चुनाव को लेकर चर्चा करते हुए अधिवक्ता। फोटो :हरिभूमि

समालखा। सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार देश की हर बार एसोसिएशन में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण के साथ चुनाव करावाइगी। वहीं, अध्यक्ष बार एसोसिएशन अशोक रावल ने बताया कि गाइड लाइन के अनुसार एक अतिरिक्त उपाध्यक्ष का चुनाव होगा यानि अब बार एसोसिएशन मे एक की जगह

दो उपाध्यक्ष होंगे कंही कंही जॉइंट सेक्रेटरी और खजांची में से एक महिला होगी। समालखा बार एसोसिएशन मे कुल 428 वकीलों के पंजीकृत है। वहीं, नौ सितंबर को समालखा बार के प्रधान, दो उपप्रधान, एक सचिव व एक संयुक्त सचिव, एक खजांची का चुनाव होगा।

आईसीआई के काउंसिलिंग प्रोग्राम में शिक्षकों व विद्यार्थियों ने भाग लिया

अनुशासित मेहनत से मिलती है सफलता: सीए भूपेंद्र दीक्षित



पानीपत। आईसीआई के कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए सीए भूपेंद्र दीक्षित।

फोटो : हरिभूमि

अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए

हरिभूमि न्यूज़ ►► पानीपत

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की उत्तरीय भारतीय क्षेत्रीय परिषद की पानीपत शाखा द्वारा आईसीएआई की करियर काउंसिलिंग कमेटी के तत्वावधान में शाखा के प्रधान सीए भूपेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में सीएएफए व सुपर मेगा करियर काउंसिलिंग प्रोग्राम भाग्य की राह सेशन पांच का आयोजन

आर्य कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री महोपाल ढांडा के प्रतिनिधि हरपाल ढांडा, डीईओ राकेश बोरा, आर्य कॉलेज पानीपत के प्राचार्य जगदीश गुप्ता, समाजसेवी महेंद्र कंसल, गुलाब पांचाल ने अतिथि के रूप में शिकरत की।

वहीं, सीए भूपेंद्र दीक्षित ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जबकि उपाध्यक्ष सीए जितेन्द्र बांगा व

सचिव सीए रजनी गोयल द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए। इधर, कार्यक्रम का मंच संचालन सीए अंशुल गौतम ने किया। वहीं, मुख्य वक्ता सीए आयुश्री खन्ना ने विद्यार्थियों को सीए पाठ्यक्रम, परीक्षा की तैयारी, अध्ययन की सही रणनीति तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के बाद उपलब्ध विभिन्न क्षेत्रों के बारे में उपयोगी एवं व्यावहारिक जानकारी दी। वहीं, कार्यक्रम में एक हजार से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सावन ज्योत सभा की भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

पानीपत। सावन ज्योत सभा द्वारा एक शाम ठाकुर के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। भजन संध्या में भजन नाटक जलिन अगवाला व महावीर शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को निहाल किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी अरुण दास व ब्रह्मन्त्रषि श्री नाथ महाराज ने की। सभा के प्रधान राजेश सूरी ने बताया कि पानीपत सावन ज्योत सभा का 23वां महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरिद्वार में अगला कार्यक्रम रिववार को हरिमिलाप भवन में आयोजित होगा। हरिद्वार में शोभायात्रा निकलेगी जाएगी और पवित्र ज्योत मां गंगा के दरपों में अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर पार्षद अंजलि, सतीश, ओम प्रकाश, कृष्ण व संजय आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।



चुनकट महर्षि का जन्मोत्सव भव्य होगा: शर्मा

समालखा। चुलकाना धाम की तपोभूमि पर चुनकट महर्षि का जन्मोत्सव रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में समालखा नई अनाज मंडी से भव्य रथयात्रा एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो चुलकाना धाम श्री लकीसर बाबा मंदिर तक पहुंचेगी। सोनू शर्मा ने बताया कि रथयात्रा में श्री चुनकट ऋषि महाराज को रथ में विराजमान किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं और आयोजकों में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। जन्मोत्सव के आयोजन को लेकर हुई बैठक में सेवक सेठपाल छोककर, प्रवीण छोककर, करण सिंह, बाबूराम, सोनू शर्मा छदिया, सुरेंद्र छोककर आदि ने बताया कि कार्यक्रम में विधायक मन मोहन भंडाना भी शिरकत करेंगे।



समालखा। चुनकट महर्षि का जन्मोत्सव की जानकारी देते हुए पदाधिकारी।

पर्यावरण घना करने का संदेश दिया

पानीपत। गॉथ इंडिया एंटी करप्शन एंड क्राइम प्रिवेंशन ऑर्गेनाइजेशन ने पौधे रोप कर जनता को पर्यावरण को घना करने का संदेश दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक, कर्मवीर मलिक, राजपाल कश्यप एडवोकेट, दीपक भित्तल, देवेन्द्र राणा एडवोकेट, रवि कथूरिया, राजेश, दिवेश , राधेश्याम, राम अवतार शारुकी, दीपक, मनजीत, कर्मवीर रेड्डी, कमल सिंह, परमजीत जालगान एडवोकेट, स कमलजीत सिंह, मेहर सिंह, अनिल भाग एडवोकेट, महावीर, संदीप, शांतिलाल व अर्यक आदि उपस्थित रहे।

सदस्यों का किया स्वागत पानीपत। सर छेदू राम हेरिटेज स्कूल में शीतल दास जैन फाउंडेशन ने कार्यक्रम किया। जिसमें स्कूल के चेयरमैन विजेंद्र मान, प्राचार्य सुनीता मान ने फाउंडेशन के ट्रस्टी कपिल जैन समेत अन्य सदस्यों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।



पानीपत। सावन तीज उत्सव में अतिथियों को सम्मानित करते हुए मेजबान।

संगीत के साथ अध्यात्म का गहरा नाता: जोशी

पानीपत। मुख्यमंत्री नाराज सैनी के निर्देश पर हरियाणा कला परिषद कला और कलाकारों को आगे बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को मंच देने के लिए सदैव तत्पर है। भविष्य में भी इस पर और काम किया जाएगा ताकि कलाकारों को ज्यादा से ज्यादा मौके प्रदान किया जा सकें। यह बात हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी ने शनिवार को पानीपत के मॉडल टाउन स्थित कम्प्यूनिटी हॉल में हरियाणा कला परिषद और श्री रामेश्वरम साई कला साधना मंच के सावन तीज उत्सव के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि संगीत और अध्यात्म का संबंध बहुत गहरा है। संगीत मन को भीतर की शक्ति तक ले जाने का एक मध्यम भी है। भारतीय परंपरा में संगीत को सदैव साधना से जोड़ा गया है। जोशी ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति भारत की समृद्ध लोक-संस्कृतियों में से एक है। इधर, श्री रामेश्वरम साई कला साधना मंच की प्रधान तन्वू शर्मा ने कहा कि हरियाणा की लोकभाषा और लोकगीत इसकी संस्कृति को विशेष पहचान देते हैं। वहीं, तीज उत्सव में पदमश्री महावीर गुड्ड ने शिव पार्वती सहित अन्य कई हरियाणवी गीतों पर धमकेदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में रवि सांपला, प्रवीण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बुजुर्गों का सम्मान व सेवा करना हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य

वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर: आर्य

युवा पीढ़ी को उनके अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए

हरिभूमि न्यूज़ ►► पानीपत

आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल में विश्व वरिष्ठ नागरिक सम्मान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में रणदीप आर्य मुख्य अतिथि रहे। आर्य समाज काबड़ी के उपप्रधान एवं भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ओमदत्त आर्य विशेष अतिथि रहें। वहीं, मुख्य अतिथि रणदीप आर्य ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने अपने



पानीपत। आर्य बाल भारती स्कूल के प्रधान रणदीप आर्य, अतिथि ओमदत्त आर्य को सम्मानित करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

जीवन के अनुभव से परिवार और समाज को दिशा देने का काम किया है। युवा पीढ़ी को उनके अनुभवों से

सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। बुजुर्गों का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए,

बल्कि यह हमारी दिनचर्या और संस्कारों का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समाजिक

परिवेश में संयुक्त परिवारों की संख्या कम हुई है। व्यस्त जीवनशैली के कारण कई बार बुजुर्ग अकेलेपन और उपेक्षा का सामना करते हैं। ऐसे में परिवार के सदस्यों को उनकी भावनाओं को समझते हुए उनके साथ समय बिताना चाहिए। माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा करना हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है। वहीं, विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाना भी विद्यालय की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में ओमदत्त आर्य को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अशोक आर्य, उप प्राचार्य जगदीश आर्य आदि उपस्थित रहे।

आज का युवा ही कल का भारत है: डॉ. अनुपम

पानीपत। एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पानीपत के निदेशानुसार जागृति योजना के अंतर्गत 'सशक्त युवा-सशक्त भारत' तथा विधिक साक्षरता और किशोर न्याय विषय पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में कानूनी साक्षरता को बढ़ावा देना, किशोर न्याय प्रणाली के प्रति जागरूकता लाना तथा युवाओं को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाना रहा। बतौर मुख्य वक्ता आशेष अगवाला वरिष्ठ अधिवक्ता पानीपत कोर्ट ने कार्यक्रम में शिरकत की और विद्यार्थी का कानूनी मार्ग दर्शन किया। जबकि वीरेंद्र सिंह पीएलवी ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। वहीं मेहमानों का स्वागत प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशा मुक्त युवा-अपरध मुक्त भारत पर शपथ भी दिलाई गई। वहीं, डॉ. अनुपम ने कहा कि आज का युवा ही कल का भारत है। जब तक युवा कानून को नहीं समझेंगे तब तक सशक्त भारत का सपना अधूरा है। जागृति योजना सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं बल्कि युवाओं को कानून का पहरेदार बनाने का एक मिशन है।

मुथूट फ़ाइनंस ने राजकीय स्कूल में शौचालय बनवाए

पानीपत। मुथूट फ़ाइनंस द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बड़ौली में कॉंपैरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए चार शौचालय बनवाए गए हैं। जिसका शुभारंभ मुथूट फ़ाइनंस के सीनियर राजनल मैनेजर राकेश माणिक ने करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के लिए हमारे द्वारा वचकता अभियान को मजबूती देने की दिशा में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ौली में चार शौचालयों का निर्माण किया गया है। मुथूट फ़ाइनंस के पदाधिकारी सुनील कुमार, निशांत सचदेवा आदि उपस्थित रहे। स्कूल इंवार्ज सुनीता, बिजेन्द्र सिंह, प्रदीप, राकेश कुमार, रमा देवी, सुरेश कुमार, उमेश सिंह, जगबीर सिंह ने मुथूट फ़ाइनंस का आभार जताया।

खबर संक्षेप

करदाताओं को 75% ब्याज में एकमुश्त छूट

अंबाला। नगर परिषद अंबाला छावनी के सचिव देवेन्द्र नरवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार संपत्ति करदाताओं को लंबित संपत्ति कर के बकाये पर बड़ी राहत दी गई है। सरकार ने वर्ष 2010-11 से वर्ष 2024-25 तक के लंबित संपत्ति कर बकायों पर 75 प्रतिशत ब्याज की एकमुश्त छूट प्रदान करने की अनुमति दी है। उन्होंने बताया कि जिन संपत्ति करदाताओं द्वारा अपना बकाया संपत्ति कर 31 अगस्त 2026 तक एकमुश्त जमा कर दिया जाता है, वे इस छूट का लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही संपत्ति करदाता प्रबंधन पद्धति पोर्टल पर अपनी संपत्ति से संबंधित जानकारी को स्वयं प्रमाणित कर सकेंगे तथा बकाया संपत्ति कर के भुगतान के बाद बेबाकी प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया भी पूरी कर सकेंगे हैं। नगर परिषद सचिव ने सभी संपत्ति करदाताओं से अपील की कि वे अपनी संपत्ति की जानकारी पोर्टल पर स्वयं प्रमाणित करें और सरकार की ओर से बकाया संपत्ति कर पर दी जा रही 75 प्रतिशत ब्याज की एकमुश्त छूट का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में बकाया जमा कर इस राहत का लाभ उठाना संपत्ति करदाताओं के हित में है। करदाताओं को इस छूट का लाभ उठाने के लिए जल्द से जल्द बकाया कर विभाग में जमा कराना चाहिए। इससे सरकार और करदाताओं को फायदा होगा।

जिले में 104 प्रधानाचार्यों ने लिया स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण

स्काउट की वर्दी व स्कार्फ अनुशासन और समानता के प्रतीक : कालड़ा

स्काउटिंग से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व की भावना होगी विकसित, डीईओ ने बताए स्काउटिंग के तीन मूल सिद्धांत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ अंबाला

मोबाइल, सोशल मीडिया और बदलती जीवनशैली के दौर में बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने में स्काउटिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसी उद्देश्य से भारत स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण केंद्र, अंबाला छावनी में जिले के राजकीय विद्यालयों के 104 प्रधानाचार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा भारत स्काउट एंड गाइड्स के स्टेट सेक्रेटरी एवं आईएएस अधिकारी मनीराम शर्मा मुख्य अतिथि रहे। जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने



अंबाला। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि। फोटो : हरिभूमि

उनका स्वागत किया। प्रशिक्षण के दौरान डीईओ ने स्काउटिंग के तीन मूल सिद्धांतों स्वयं के प्रति कर्तव्य, अन्य के प्रति कर्तव्य और ईश्वर के प्रति कर्तव्य को रेखांकित करते हुए कहा कि ये केवल स्काउटिंग के नियम नहीं, बल्कि बेहतर और जिम्मेदार जीवन के सूत्र हैं। उन्होंने कहा कि स्काउट की वर्दी और स्कार्फ अनुशासन, समानता, सेवा और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं। विद्यालयों में स्काउटिंग को बढ़ावा देने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता,

निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग और सकारात्मक सोच विकसित होगी। उन्होंने प्रधानाचार्यों से आह्वान किया कि स्काउटिंग को केवल कुछ विद्यार्थियों तक सीमित न रखते हुए इसे विद्यालय की नियमित गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। प्रशिक्षण सत्र में मनोविज्ञान प्रशिक्षक डॉ. विक्रम, पीजीटी ने स्काउटिंग और मनोविज्ञान के संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। स्काउटिंग बच्चों को कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने, सही निर्णय

स्काउट टूकडी ने किया मार्च पास्ट

मुख्य अतिथि मनोराम शर्मा ने प्रत्येक विद्यालय में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्काउट एंड गाइड गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग बच्चों को जीवन की चुनौतियों का मजबूती से सामना करने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करती है। उन्होंने अंबाला जिले में स्काउटिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए डीईओ सुधीर कालड़ा के प्रयासों की सराहना की। राज्य प्रशिक्षण कमिश्नर लक्ष्मी सिंह वर्मा ने वर्षभर आयोजित होने वाली विद्यालय, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न स्काउट एंड गाइड गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में एस ए जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की स्काउट टूकडी ने शानदार मार्च पास्ट प्रस्तुत किया, जबकि सिख सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अंबाला कैंट की बैंड पार्टी ने प्रस्तुति देकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।

लेने और चुनौतियों का सकारात्मक ढंग से सामना करने के लिए तैयार करती है। विद्यालय स्तर पर स्काउट एंड गाइड गतिविधियों को बढ़ावा देने और उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में आशीष अग्रवाल, रोहित रत्न, रमेश गोयल, दीपा कौशिक, हवा सिंह पीजीटी, सुशीला जांगिड़, पूनम भारती, अंजना बजाज, डॉ. शिवकुमार, नैना शील, डॉ. पूनम सिंह और रजनीश शामिल रहे। इस अवसर पर भूपिंदर कौर डीओसी, संजय कौशिक डीओसी, मनोज कुमार डीओसी, सद्दाम हुसैन स्काउट मास्टर तथा अनिल कौशिक एसओसी सहित

अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में यह संदेश प्रमुखता से सामने आया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबों का ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना भी है। अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और आत्मविश्वास के गुण विकसित करने वाली स्काउटिंग विद्यार्थियों को बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा सकती है। आज के समय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्काउट और गाइड प्रशिक्षण होना बहुत जरूरी है। यह विद्यार्थियों और बच्चों को ज्विन्न प्रकार की जानकारी प्रदान करती है।

छात्रों को दी एनडीएलआई की सुविधाओं की जानकारी



अंबाला। एनएलडीआई के बारे में छात्रों के जागरूक करती डॉ. कोशल चौहान।

एमडीएसडी कॉलेज की ओर ओर से कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ अंबाला

शहर के एमडीएसडी कॉलेज की लाइब्रेरी एवं एनडीएलआई क्लब द्वारा आज “एनडीएलआई यूजर अवेयरनेस प्रोग्राम” का आयोजन प्राचार्या डॉ. सीमा सिंघल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय यूजर अवेयरनेस प्रोग्राम ऑन एनडीएलआई था। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के बारे में जागरूक करना तथा इसके माध्यम से उपलब्ध विभिन्न डिजिटल शैक्षणिक एवं शोध संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को एनडीएलआई के प्लेटफॉर्म, इसकी प्रमुख विशेषताओं तथा डिजिटल संसाधनों को खोजने और उपयोग करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान एनडीएलआई का परिचय, लाइव प्रश्न, डिजिटल संसाधनों की खोज एवं एनडीएलआई क्लब से संबंधित जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों को ई-पुस्तकों, जर्नल्स, शोध-पत्रों, वीडियो, प्रश्न-पत्रों तथा अन्य शैक्षणिक संसाधनों को खोजने और प्राप्त करने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। साथ ही, एनडीएलआई क्लब की गतिविधियों एवं विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर उप-प्राचार्या नीशू बंसल, एनडीएलआई क्लब सचिव सीमा अग्रवाल, डॉ. निशा शर्मा एवं रजनी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की कन्वीनर एवं मुख्य वक्ता डॉ. कोशल चौहान, लाइब्रेरियन एवं प्रेसिडेंट, एनडीएलआई क्लब रहीं। उन्होंने अपने संबोधन एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से प्रतिभागियों को एनडीएलआई की विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों एवं खोज तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनडीएलआई के माध्यम से विद्यार्थी और शिक्षक अपनी आवश्यकतानुसार विभिन्न डिजिटल सामग्री आसानी से खोज एवं प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. निशा शर्मा, ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ की समिति भंग चुनाव के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित

■ 125 साल पुराने ए जैन स्कूल पर रजिस्ट्रार ने साफ किया रुख, पूर्व समिति को भंग करने का लिया गया निर्णय

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के प्रतिष्ठित 125 वर्ष पुराने एस.ए. जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की संस्थागत व्यवस्था और गरिमा को लेकर चल रहे विवाद पर जिला रजिस्ट्रार, सोसाइटीज के आदेश के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई है। जिला रजिस्ट्रार ने स्कूल की समिति को थायावत रखने तथा श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ

(श्री संघ) की पूर्व समिति को भंग करने का निर्णय लिया है। आदेश के अनुसार श्री संघ की पूर्व समिति का कार्यकाल पूरा हो चुका था। नई कार्यकारिणी के निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव करवाने के लिए तीन सदस्यीय एडहॉक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में हितेश जैन बराड़ को कनवीनर तथा नरेंद्र जैन और संजीव जैन को सदस्य नियुक्त किया गया है। यह कमेटी नई कार्यकारिणी के चुनाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी। स्कूल प्रबंधन ने जिला रजिस्ट्रार को निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि 125 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में

अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले संस्थान की गरिमा, विद्यार्थियों के हित और शैक्षणिक वातावरण को किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। प्रबंधन के अनुसार प्रशासन के निर्णय से संस्था में वैधानिक प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ने का रास्ता साफ हुआ है। स्कूल प्रबंधन ने जिला रजिस्ट्रार एवं प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान की व्यवस्थाएं नियमानुसार संचालित होती रहेंगी और विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

1500 रुपये में मिलेगा पानी-सीवरेज का कनेक्शन

अंबाला। जन स्वास्थ्य विभाग ने उपभोक्ताओं को पेयजल एवं सीवरेज कनेक्शन लेने के लिए राहत देते हुए कनेक्शन फीस में बड़ी कटौती की है। जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता कर्णवीर सिंह ने बताया कि पहले पेयजल एवं सीवरेज कनेक्शन के लिए 10,500 रुपये फीस निर्धारित थी, जिसे अब घटाकर मात्र 1,500 रुपये कर दिया गया है। इसमें 1,000 रुपये पेयजल कनेक्शन और 500 रुपये सीवरेज कनेक्शन के लिए निर्धारित हैं। उन्होंने बताया कि यदि कोई उपभोक्ता एकमुश्त 1,500 रुपये जमा करवाने में सक्षम नहीं है तो विभाग ने उसके लिए भी सुविधा प्रदान की है। ऐसे उपभोक्ताओं से एक

साथ राशि लेने के बजाय उनके पानी के बिल में मात्र 10 रुपये प्रतिमाह जोड़कर कनेक्शन देने का प्रावधान किया गया है। यह राशि उपभोक्ता के बिल में किरतों के रूप में कटती रहेगी। कार्यकारी अभियंता ने बताया कि कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं को विभाग के कार्यालयों के चक्कर लगाने की भी जरूरत नहीं है। विभागीय कर्मचारी घर-घर जाकर उपभोक्ताओं के कनेक्शन की प्रक्रिया पूरी कर उन्हें अप्रुव करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक पेयजल या सीवरेज कनेक्शन नहीं लिया है, वे विभाग की इस सुविधा का लाभ उठाते हुए जल्द अपना कनेक्शन लें।

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बराड़ा

शाहबाद-बराड़ा मार्ग पर गांव अधोया के पास भूसे से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की कथित लापरवाही के चलते सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से घायल को एमएअस्पताल मुलाना पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शी के बयान पर ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में गांव कल्याणा निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि वह कुरुक्षेत्र जिले के खेड़ी

ट्रैक्टर चालक मौके से हुआ फरार मुकेश के अनुसार, करीब 7:35 बजे जब वह सेरेनिटी इंटरनेशनल स्कूल अधोया के पास पहुंचा तो सामने से एक बाइक सवार शाहबाद की ओर से आ रहा था। बाइक सवार जब ट्रैक्टर-ट्रॉली को कांस करवने लगा तो ट्रैक्टर चालक ने कथित तौर पर अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली को सड़क की दूसरी ओर मोड़ दिया। इससे सामने से आ रही बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई और बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया। हादसे के बाद प्रत्यक्षदर्शी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कुछ दूरी पर रुकवाया, लेकिन चालक ट्रैक्टर को सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मारकंडा में एसएस ग्लास के नाम से दुकान चलाता है। 20 अगस्त की शाम करीब 6:30 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से दुकान बंद कर गांव लौट रहा था। शाहबाद-बराड़ा रोड पर उसके आगे भूसे से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली चल रही थी। प्रत्यक्षदर्शी ने ट्रैक्टर का नंबर नोट कर लिया। घायल बाइक का नंबर एच आर 02 बी ए 6314 बताया जा रहा है। राहगीरों की मदद से घायल को एंबुलेंस के जरिए एमएअस्पताल मुलाना भेजा गया। घायल की पहचान प्रियंशु कुमार निवासी यमुनागढ़ के रूप में हुई है। हादसे के समय चिकित्सकों ने उसे बयान देने के लिए अनर्फित बताया था।

श्रीकृष्ण कृपा गीता मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा 1 से 7 सितंबर तक

अंबाला। श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति की विशेष बैठक सेक्टर 8 स्थित श्री कृष्ण कृपा गीता मंदिर में रविंद्र चोपड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें समिति के अनेक सदस्यों ने भाग लिया। चोपड़ा ने बताया कि श्री कृष्ण कृपा गीता परिवार



अंबाला शहर की ओर से सेक्टर-8 स्थित श्री कृष्ण कृपा गीता मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 1 सितंबर से 7 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगा। आयोजकों ने शहरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण करने और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया है। यह आयोजन परम पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज जी के पावन आशीर्वाद से आयोजित किया जा रहा है। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, धर्म, सदाचार, मानव जीवन के उद्देश्य तथा श्रीमद्भागवत पुराण में विहित आध्यात्मिक संदेशों से परिचित कराया जाएगा। आयोजन में कथा व्यास पंडित राम मुद्गगल शास्त्री श्री वृंदावन धाम वाले श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपात्र कराएंगे। वहीं कथा व्यास गोविंद मुद्गगल शास्त्री, श्री वृंदावन धाम भी आपनी वाणी के माध्यम से भक्तों को धार्मिक एवं आध्यात्मिक संदेश प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कथा के उपरान्त प्रतिदिन ठाकुर जी का भंडारा प्रसाद भी वितरित किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्री कृष्ण कृपा गीता परिवार अंबाला शहर की ओर से तैयारियों का जा रही है और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कार और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देना है।

शहीद मेजर अमित आहूजा की 25वीं पुण्यतिथि पर लगाया शिविर, 51 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

अंबाला। शहीद मेजर अमित आहूजा की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर डीएवी कॉलेज, अंबाला शहर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। एनएसएस इकाइयों, यूथ रेड कोर्स, एनसीसी सेल तथा मेजर अमित आहूजा चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में रक्तदाताओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। मिशन अस्पताल के ब्लड बैंक की टीम ने शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईपीएस अधिकारी अजीत सिंह शेखावत, कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) आर एस. परमार, शहीद के भाई अतुल आहूजा तथा महाविद्यालय के शिक्षकगण ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान अतुल आहूजा, उनका पत्नी संगीता आहूजा, श्री राकेश मक्कड़, मिशन अस्पताल के निदेशक डॉ. सुनील सादिक, अजय शर्मा, राजेंद्र मितल, दीपक गांधी सहित अन्य सदस्यों ने शहीद मेजर अमित आहूजा के चित्र पर पुष्पजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धाजलि दी।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

44 यूनिट रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश

बराड़ा। किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने के लिए रक्त की एक-एक बूंद अनमोल होती है। इसी मानवता और भाईचारे का संदेश देते हुए बराड़ा में आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 44 यूनिट रक्तदान किया। ब्रह्माकुमारी प्रकाशमणि की 19वीं पुण्य स्मृति पर प्राप्तिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के विश्व शांति भवन में विशाल रक्तदान अभियान-2026 का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारी संस्था एवं समाज सेवा प्रभाग बराड़ा के तत्वावधान में आयोजित शिविर में रोटरी क्लब बराड़ा और श्री गोविंद गोशाला बराड़ा ने सहयोग किया। रेडक्रॉस अंबाला शहर सिविल अस्पताल की चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रक्तदाताओं की जांच कर रक्त संग्रह किया।

‘नो नशा नेशन’ अभियान के द्वितीय चरण में नशा मुक्त समाज के लिए दिए प्रेरक संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ अंबाला नशे के अंधकार से युवा शक्ति को बचाकर उसे वैदिक संस्कार, स्वस्थ जीवन और राष्ट्र निर्माण की दिशा देने के संकल्प के साथ रोटरी क्लब अंबाला द्वारा ‘नो नशा नेशन’ अभियान के अंतर्गत एक प्रभावशाली जन-जागरूकता

100 कुंडीय यज्ञ के शुभारंभ पर क्लब पदाधिकारियों ने लिया संकल्प

युवाओं को नशे से निकालकर नई जिंदगी देगा रोटरी क्लब



अंबाला। कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य लोग।

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ—प्रथम चरण में डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल,

जगाधरी गेट अंबाला शहर में 100 कुंडीय हवन यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया, जबकि द्वितीय चरण पुलिस ऑडिटोरियम में आयोजित

हुआ, जहां विशिष्ट अतिथियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए अपने प्रेरक संदेश दिए। इस पूरे आयोजन का केंद्रीय आकर्षण राष्ट्रीय आर्य युवा समाज के अध्यक्ष एवं ‘नो नशा नेशन’ अभियान के प्रखर प्रेरणास्रोत योगी सूरि का सान्निध्य रहा। इनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को केवल एक सामाजिक अभियान न रखकर युवा चेतना, वैदिक जीवन-दृष्टि और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ दिया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल का वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार और यज्ञ की पवित्र अग्नि से आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। अतिथियों के

आगमन पर विद्यालय की ओर से उनका अभिनंदन किया गया तथा उन्हें विद्यालय की ‘आर्य’ संस्कार वाटिका से परिचित कराया गया। स्वागत के पश्चात विद्यालय के परिणाम बलुटिशन का विमोचन किया गया और 100 कुंडीय महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। यज्ञ की प्रत्येक आहुति को नशा मुक्त, स्वस्थ और संस्कारवान युवा पीढ़ी के निर्माण के संकल्प से जोड़ा गया। श्रीमती रीटा कालड़ा, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 ने सेवा और नेतृत्व को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बताते हुए ‘नो नशा नेशन’ जैसे युवा-केंद्रित अभियान की सराहना की।

आपसी संवाद का बदलता मिजाज खो ना जाए रिश्तों की मिठास



कवर स्टोरी
रशीधरा भटनागर

भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, मनुष्य के भीतर से दूसरे मनुष्य तक जाने वाली वह महीन डोर है, जिसमें समय, संस्कार, स्मृतियाँ और संबंध एक साथ बंधे रहते हैं। किसी समाज की भाषा को सुनकर उसके समय की धड़कन पहचानी जा सकती है। शब्द बदलते हैं तो केवल शब्द नहीं बदलते, उनके साथ हमारे व्यवहार, हमारी निकटताएँ और कभी-कभी हमारी संवेदनाएँ भी अपना रूप बदल लेती हैं।

भाषा में होता था माधुर्य

एक समय था, जब मोहल्ला एक परिवार जैसा होता था और मोहल्ले की अपनी एक लोकभाषा हुआ करती थी। वह किसी व्याकरण की पुस्तक में नहीं मिलती थी, फिर भी उसमें जीवन का पूरा व्याकरण समाया होता था। पड़ोस की चाची, गली के काका, सामने वाले घर की दादी, दूध वाले भैया, डाकिया चाचा। रक्त-संबंध न होते हुए भी भाषा ने सबको रिश्तों में बांध रखा था। किसी के घर से पकवान निकला तो कटोरी पड़ोस में पहुँची। किसी के यहां कोई दुःख-परेशानी आई तो अगले बरताने से आवाज आती, 'कुछ चाहिए तो बताना।' किसी बुजुर्ग को देखते ही बच्चे का स्वर अपने आप नीचे हो जाता था। 'आप', 'आइए', 'बैठिए', 'खाइए', 'कैसे हैं?... ' ये केवल शब्द नहीं बल्कि बुझने के अस्तित्व को स्वीकार करने के संस्कार हुआ करते थे। मोहल्ले की उस भाषा में एक सहज माधुर्य था। उसमें आत्मीयता थी, पर आत्मीयता की भी एक मर्यादा थी। मजाक था, मगर अपमान नहीं। असहमति थी,

मगर संबोधन में सम्मान बचा रहता था। आज मोहल्ले सिकुड़कर अपार्टमेंट हो गए हैं और चौपाल स्क्रीन पर चली गई है। पड़ोसी का चेहरा कई बार वर्षों तक दिखाई नहीं देता, जबकि दूर देश में रहने वाला कोई डिजिटल मित्र प्रतिदिन बातचीत का हिस्सा बना रहता है। भाषा भी उसी के साथ बदल गई है।

नई पीढ़ी की बेलाग भाषा

आज जब हम नई पीढ़ी की भाषा की बात करते हैं, तो चर्चा केवल 'हाय', 'हेलो' 'ओके', 'कूल' 'ब्रो' या डिजिटल संक्षिप्तियों तक सीमित नहीं रह सकती है। इस भाषा का एक दूसरा, अधिक चिंताजनक पक्ष है बातचीत में बढ़ती बेलाग अशिष्टता, गाली-गलौज और अपशब्दों का सहज इस्तेमाल।

लेकिन इसे केवल 'आज के बच्चों के संस्कार खराब हैं' कहकर समझ लेना समस्या को बहुत छोटा कर देना होगा। आज युवाओं की



बातचीत में अपशब्दों का इस्तेमाल कई संदर्भों में सामान्य होता दिखाई देता है। शोध यह संकेत देते हैं कि युवाओं में अपशब्दों का प्रयोग केवल 'असंस्कारी' होने का परिणाम नहीं होता। कभी यह भावनाओं को तीव्रता से व्यक्त करने, कभी समूह में स्वीकार्यता पाने और कभी अपनी बात

घर-परिवार हो, पड़ोसी, मित्र-मंडली, सहकर्मी हों या रिश्तेदार, सभी से संबंध, हमारे बातचीत के तरीके और शब्दों पर निर्भर करते हैं। समय के साथ शब्द, संबोधन, भाषा की चाल बदलना स्वाभाविक है, लेकिन भाषा से यदि सम्मान और मर्यादा का भाव कम होने लगे तो रिश्तों की ऊष्मा, उसकी मिठास खोने का डर मंडराने लगता है। ऐसे में हम सभी को सजग होने की जरूरत है।



को अधिक प्रभावशाली बनाने का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अपनी बात खुलकर रखने के बहुत अधिक अवसर दिए हैं और इसके साथ अशिष्ट भाषा की दुर्यता भी बढ़ी है। यानी समस्या केवल शब्दों की नहीं, शब्दों के सामान्य हो जाने की है। दरअसल, जब किसी शब्द को बार-बार सुना जाता है, तो उसका चौंकाने वाला प्रभाव कम होने लगता है। जो कल असभ्य माना जाता था, वह आज मजाक का हिस्सा बन जाता है। और जो मजाक में कहा गया था, वह धीरे-धीरे रोजमर्रा की भाषा में प्रवेश कर जाता है।

समझना होगा महत्वपूर्ण अंतर

हर अपशब्द हिंसा नहीं है और हर अपशब्द किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए नहीं बोला जाता। भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि लोग कभी-कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल भावनात्मक तीव्रता, तनाव या आश्चर्य व्यक्त करने के लिए करते हैं। लेकिन किसी की



गरिमा को चोट पहुंचाने वाली गाली और मित्रों के बीच भावनात्मक विस्मय व्यक्त करने वाला अपशब्द एक ही बात नहीं हैं। यहीं भाषा की नैतिकता का प्रश्न खड़ा होता है। आखिर यह भाषा आई कहां से? इस बदलाव के पीछे कई परतें हैं।

डिजिटल दुनिया: सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, छोटे वीडियो और मीम संस्कृति में तीखी, उत्तेजक और चौंकाने वाली भाषा अकसर मनोरंजन का हिस्सा बन जाती है।

साधियों का प्रभाव: किशोरावस्था में समूह से जुड़ना बहुत महत्वपूर्ण होता है। कोई शब्द मित्र-मंडली में सामान्य है तो उसे न बोलना कई बार 'अलग' दिखाई देना हो सकता है। इसलिए युवा भाषा केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, समूह की पहचान भी बन जाती है।

घर की भाषा: हम अकसर बच्चों की भाषा पर अंगुली उठाते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि भाषा सीखने की पहली पाठशाला घर है। यदि घर में क्रोध का पहला उतर गाली है, तो बच्चे के लिए गाली केवल निषिद्ध नहीं, समूह की पहचान भी बन जाती है।

ध्यान रखने की प्रवृत्ति: बेलाग भाषा कई बार 'कूल', 'बोल्ड' या 'बेबाक' दिखने का माध्यम बन जाती है। इसीलिए कुछ युवा जान-बूझकर ऐसी भाषा चुनते हैं। **संवाद का घटता धैर्य:** जब बातचीत छोटी होती जाती है, तो भाव व्यक्त करने के लिए शब्दों की जगह तीव्र शब्द लेने लगते हैं। इन सभी कारणों को समझने के बाद विकृत होती भाषा के लिए केवल नई पीढ़ी को दोष देना उचित नहीं होगा, क्योंकि भाषा का यह परिवर्तन केवल युवाओं ने पैदा नहीं किया है। उन्हें यह भाषा समाज ने दी है।

भाषा में बनी रहे मधुरता-मर्यादा

हमें पुरानी भाषा को हूबहू वापस लाने की आवश्यकता नहीं है। नई पीढ़ी को अपनी भाषा होगी ही। जरूरत केवल इतनी है कि आधुनिकता के साथ माधुर्य भी रहे और बेबाकी के साथ मर्यादा भी। प्रश्न शब्द का नहीं, उसके पीछे मौजूद मन का है। हम न भूलें कि शब्दों में अद्भुत शक्ति होती है। वे रिश्तों में मिठास घोल सकते हैं तो हमेशा के लिए खटास भी भर सकते हैं। *

मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाएं भाई-बहन का भावनात्मक संबल

हर परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अनोखा और प्यारा होता है। उम्र के हर दौर में भाई-बहन का एक-दूसरे को दिया जाने वाला भावनात्मक संबल, मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इस बारे में आप विस्तार से जरूर जानना चाहेंगे।

पॉजिटिव इफेक्ट नैसी गुप्ता

बदली जीवनशैली, बढ़ता काम का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना और अकेलेपन की भावना आज मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारण बन चुके हैं। ऐसे समय में परिवार का भावनात्मक सहयोग, हर व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अलग और प्यारा होता है, क्योंकि यह केवल बचपन की यादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर भावनात्मक सुरक्षा, भरोसा और अपनापन भी देता है। भाई-बहन का रिश्ता दोनों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भावनात्मक सुरक्षा: बचपन के बाद टीनएज, यंगएज और मिडएज में भाई-बहन दोस्त जैसे हो जाते हैं, जिससे वे बिना किसी झिझक के अपनी भावनाएं साझा कर लेते हैं। जब जीवन में तनाव, असफलता या किसी तरह की परेशानी आती है, तो भरोसेमंद भाई या बहन का साथ मानसिक बोझ को काफी हद तक कम कर देता है। यह भावनात्मक सुरक्षा, चिंता और अकेलेपन की भावना को घटाने में मदद करती है।

तनाव होता है कम: मानसिक तनाव के दौरान किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना काफी राहत देता है। भाई-बहन एक-दूसरे की परिस्थितियों, स्वभाव और पारिवारिक पृष्ठभूमि को अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए वे बिना जज किए सुनते हैं और व्यावहारिक सलाह भी देते हैं। यह सहयोग तनाव से बाहर निकलने में सहायक हो सकता है। **अकेलापन महसूस हो कम:** आज के समय में अनेक युवक-युवतियां, परिवार से दूर रहकर पढ़ाई



या नौकरी करते हैं। ऐसे में अकेलेपन की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में यदि भाई-बहन के साथ नियमित बातचीत होती रहे, तो दूरी के बावजूद भावनात्मक जुड़ाव कायम रहता है। फोन कॉल, वीडियो कॉल या संदेश भी मानसिक सुकून देने का काम करते हैं। **बढ़ता है आत्मविश्वास:** हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे पल आते हैं जब उसे अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। ऐसे समय में भाई या बहन का प्रोत्साहन आत्मविश्वास को दोबारा मजबूत कर सकता है। बचपन से एक-दूसरे की खूबियाँ और कमजोरियों को जानने के कारण, उनका उत्साहवर्धन अधिक प्रभावी महसूस होता है।

कठिन समय में सहारा: मानसिक स्वास्थ्य केवल भावनाओं तक सीमित नहीं है। बीमारी, आर्थिक परेशानी या पारिवारिक संकट के समय भाई-बहन, भावनात्मक समर्थन के साथ-साथ व्यावहारिक

मदद भी करते हैं। जिम्मेदारियां बांटना, निर्णय लेने में साथ देना और समस्याओं का समाधान ढूंढना मानसिक दबाव को कम करने में मदद करता है। **मिलती है सकारात्मक ऊर्जा:** बचपन की सुखद यादें मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। भाई-बहन के साथ बिताए गए खेल, त्योहार, शरारतें और पारिवारिक अनुभव कठिन समय में भी व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस कराते हैं। कहा जा सकता है कि भाई-बहन का रिश्ता केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन भर साथ रहने वाला भावनात्मक सहारा भी है। बदलते समय में जब मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, तब यह रिश्ता हमें अपनापन और आत्मविश्वास देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। * (क्लिनिकल साइकोलाजिस्ट निर्मल वर्मा से बातचीत पर आधारित)

रिश्ता बनाए रखें मजबूत

भाई-बहन के बीच केवल रिश्ता होना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि मजबूती बनाए रखने के लिए उसे समय देना भी जरूरी है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद नियमित बातचीत करें, एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना करें, मतभेद होने पर संवाद बनाए रखें और छोटी-छोटी बातों को लंबे समय तक मन में न रखें। स्वस्थ संवाद रिश्ते को मजबूत बनाता है और मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके साथ ही रक्षाबंधन, जन्मदिन या परिवार के छोटे-छोटे समारोह, भाई-बहन को फिर से करीब लाने का अवसर देते हैं। ऐसे अवसरों को मिस न करें। इस दौरान साथ समय बिताना, पुरानी यादें साझा करना, उत्साह के पल बिताना और एक-दूसरे का हाल-चाल जानना भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। कई परिवारों में भाई-बहनों के बीच तुलना की जाती है, जिससे तनाव, ईर्ष्या और आत्मसमझन से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके बजाय एक-दूसरे की सफलता का सम्मान करना और शुभिकल समय में सहयोग देना रिश्ते को अधिक सकारात्मक बनाता है। भाई-बहन के बीच रखे संबंध मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमेशा लाभदायक होते हैं।



गजल
ओम निश्चल

राखी आ गई

फिर उमड़ आई बरन की याद राखी आ गई
फिर से पकवानों में आया स्वाद राखी आ गई

थाल में कुमकुम और रोली सज गई
हृदय में उठ रहा है आह्लाद राखी आ गई

गुनगुनाने-सा लगा है फिर ये घर
फिर हुआ है नायक आबाद राखी आ गई

चैनलों पर गीत गाए जा रहे
छंट गया है जेलन से श्रवसाद राखी आ गई

बंध गई हैं राखियां फिर हाथ में
बरन-भाई कर रहे संवाद राखी आ गई

एक धागे में जो चाहे बांध लो
भाईघारे का यही मरजाद राखी आ गई

लघुकथाएं

शदी के कुछ दिन बाद ही विदेश जा बसी बहू ने, सुबह-सुबह फोन की घंटी बजते ही अनमने मन से अपनी सास का कॉल रिसीव किया, बोली, 'प्रणाम मां जी, कैसी हैं आप?' सासू मां बोलीं, 'अरे बहू, रक्षाबंधन पर अपने भाई की राखी भेजना मत भूलना। शदी के बाद पहली राखी है, तुम्हारे घर पर सब इंतजार करेगे।' 'जी मां जी, भेज दूंगी, आप चिंता ना करें।' उसने सधी-सपाट आवाज में जवाब दिया और फोन रखते ही सोचने लगी, 'फोन, चैट, वाट्सएप सब तो चलता ही रहता है, मैं कौन-सी भाई से साल में एक बार मिलती हूं? इस साल ही तो दूर आई हूं। राखी भेजने की औपचारिकता करना ही क्या जरूरी है?' बाद में वह घर-ऑफिस के कामों में ऐसा उलझी कि यह भूल ही गई रक्षाबंधन है कब? रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह भाई ने अपनी कलाई पर सजी सुंदर राखी की फोटो भेजी और एक प्यारा-सा संदेश भी। 'कितना खुश हूं मैं कि वहां जाकर भी तुम्हें राखी का त्योहार याद रहा, अपने भाई के लिए स्नेह की डोर भेजना न भूलो। देख तो दूर रहकर भी हमारे बीच कभी दूरियां नहीं आएंगी। यह रेशमी धागा हमें हमेशा बांधे रखेगा।' फिर फोन पर बात हुई तो भाई-बहन दोनों का गला रंध गया। आंखों में नमी लिए खुशी से कांपते हाथों से उसने सासू मां को फोन लगाया तो उन्होंने

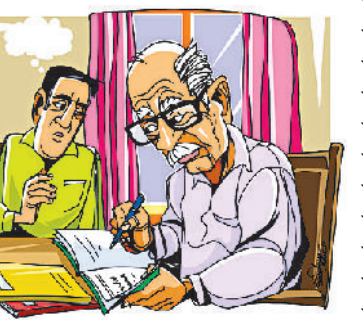
वृद्धाश्रम में रहने वाले एक बुजुर्ग रोज सुबह सबसे पहले वहां का उपस्थिति रजिस्टर खोलते और कांपते हाथों से अपने नाम के सामने हस्ताक्षर करते थे। एक दिन वहां मौजूद एक स्वयंसेवक ने उत्सुकता से पूछा, 'अंकलजी, यहां तो कोई रोज जांच भी नहीं करता, फिर आप हर दिन रजिस्टर में हस्ताक्षर क्यों करते हैं?' बुजुर्ग हल्का-सा मुस्कुराए और बोले, 'आदत है बेटा बरसों पुरानी आदत।' कुछ पल चुप रहने के बाद उनकी आंखें कहीं दूर टिक गईं, फिर धीमे स्वर में बोले, 'पूरी जिंदगी बैंक के कागजों पर, जमीन के दस्तावेजों पर, मकान के रजिस्ट्री पेपर्स पर, न जाने कितनी बार हस्ताक्षर करता प्रा। हर हस्ताक्षर किसी न किसी जिम्मेदारी या अधिकार का प्रतीक था। लेकिन जिस दिन आखिरी

कच्ची डोर



चहकते हुए पूछा, 'राखी बांध ली भाई ने?' 'जी मां जी, पर...' बहू आगे कुछ पूछती, उधर से सास बोली, 'अरे बहू, राखी मैंने भेजी थी। चार दिन पहले ही राजेश ने बताया कि तुम राखी नहीं भेज पाई हो।' कुछ ठहरकर उन्होंने फिर कहा, 'बहू, कच्ची डोर से बंधे रिश्ते भी टूटते नहीं, बस यह डोर कच्ची ना पड़े, इतना ख्याल रखना जरूरी होता है।' *

हस्ताक्षर



बार समझा- सबसे कठिन हस्ताक्षर वे नहीं होते जो संपत्ति बांटते हैं, बल्कि वे होते हैं, जो हर दिन खुद के अस्तित्व का प्रमाण देते हैं। *

कृति आर.के. जैन

समाप्त होता जा रहा है। करुणा वही परिवर्तनकारी शक्ति है, जो हमें इन समस्याओं से उबार सकती है। किताब में करुणा की नई परिभाषा से हम रूबरू होते हैं। करुणा कोई मामूली भावना नहीं बल्कि हमें बड़ी से बड़ी समस्या के समाधान तक पहुंचाने वाली ताकत है। न्याय की आत्मा है, बुद्धि का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। लेखक ने करुणा के इतने आयामों से हमारा परिचय कराया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। किस तरह जीवन के हर क्षेत्र में करुणा को लागू कर हम एक खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं? किस तरह करुणा को मापा जा सकता है और किस तरह इसे अपने भीतर बढ़ाया भी जा सकता है? कुल मिलाकर करुणा में एक बेहतर दुनिया के निर्माण की शक्ति निहित है। *

किताब: करुणा-समाधान की शक्ति, लेखक: कैलाश सत्यार्थी, अनुवाद: आशुतोष गर्ग, मूल्य: 399 रुपये, प्रकाशक: हार्पर हिंदी, गुप्तग्राम

कच्ची डोर



चहकते हुए पूछा, 'राखी बांध ली भाई ने?' 'जी मां जी, पर...' बहू आगे कुछ पूछती, उधर से सास बोली, 'अरे बहू, राखी मैंने भेजी थी। चार दिन पहले ही राजेश ने बताया कि तुम राखी नहीं भेज पाई हो।' कुछ ठहरकर उन्होंने फिर कहा, 'बहू, कच्ची डोर से बंधे रिश्ते भी टूटते नहीं, बस यह डोर कच्ची ना पड़े, इतना ख्याल रखना जरूरी होता है।' *

हस्ताक्षर



बार समझा- सबसे कठिन हस्ताक्षर वे नहीं होते जो संपत्ति बांटते हैं, बल्कि वे होते हैं, जो हर दिन खुद के अस्तित्व का प्रमाण देते हैं। *

कृति आर.के. जैन

समाप्त होता जा रहा है। करुणा वही परिवर्तनकारी शक्ति है, जो हमें इन समस्याओं से उबार सकती है। किताब में करुणा की नई परिभाषा से हम रूबरू होते हैं। करुणा कोई मामूली भावना नहीं बल्कि हमें बड़ी से बड़ी समस्या के समाधान तक पहुंचाने वाली ताकत है। न्याय की आत्मा है, बुद्धि का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। लेखक ने करुणा के इतने आयामों से हमारा परिचय कराया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। किस तरह जीवन के हर क्षेत्र में करुणा को लागू कर हम एक खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं? किस तरह करुणा को मापा जा सकता है और किस तरह इसे अपने भीतर बढ़ाया भी जा सकता है? कुल मिलाकर करुणा में एक बेहतर दुनिया के निर्माण की शक्ति निहित है। *

किताब: करुणा-समाधान की शक्ति, लेखक: कैलाश सत्यार्थी, अनुवाद: आशुतोष गर्ग, मूल्य: 399 रुपये, प्रकाशक: हार्पर हिंदी, गुप्तग्राम

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ मंशरूम पाउडर

आपके नज़दीकी सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
Availability at: www.mynushroomworld.com
Amazon | Flipkart

वज़न बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में अस्तर देखें

क्योंकि वज़न है, तो वज़नवारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd. For Trade Enquiry + 91 888 922 3333

धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सव

केरल का बहुरंगी महापर्व

ओणम



पर्वोल्लास / धीरज बसाक

यदि उत्तर भारत में होली, रंगों का उत्सव है, पश्चिम भारत में गुजरात का नवरात्र लोकनृत्यों का उत्सव है और पश्चिम बंगाल की दुर्गा पूजा आस्था का विराट आयोजन है, तो कह सकते हैं इन सभी रंगों और उत्सवों के महासंगम जैसा है-ओणम। दस दिनों तक मनाए जाने वाले इस पर्व के दौरान पूरा केरल मानो एक विशाल सांस्कृतिक रंगमंच में बदल जाता है- जहां फूलों की रंगोलियां (पुक्कलम), सर्प नौकाओं की रोमांचक दौड़, कथकली और पुलिकली जैसे लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत, सामूहिक भोज (ओणसद्धा) तथा महाबलि की लोकगाथा, ये सब मिलकर एक अद्भुत उत्सवी वातावरण रचते हैं। दस दिनों तक मनाए जाने वाले ओणम का अंतिम उत्सव दिन इस साल 26 अगस्त को संपन्न होगा।

भारतीय संस्कृति की जीवंत पहचान: ओणम केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है बल्कि यह केरल की लोककला, सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महा उत्सव भी है। शायद यही कारण है कि ओणम आज केरल की सीमाओं से निकलकर भारतीय संस्कृति की जीवंत पहचान का हिस्सा हो चुका है, जहां उत्सव केवल मनाया नहीं जाता बल्कि जीवन का हिस्सा बन जाता है।

पर्व मनाने की पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यता के अनुसार एक समय में केरल में राजा महाबलि का शासन हुआ करता था। महाबलि बेहद न्यायप्रिय, दयालु और प्रजावत्सल शासक थे। कहा जाता है कि उनके राज्य में कोई गरीब नहीं था। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होता था और सभी लोग सुखी थे। देवताओं के आग्रह पर भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण कर महाबलि की दयालुता और दानवीरता की परीक्षा लेने

हेतु तीन पग भूमि मांगी। जब महाबलि ने कहा आप नाप लें, तो वामन के अवतार में भगवान विष्णु ने दो पगों में पृथ्वी और आकाश को नाप लिया और अब तीसरे पग के लिए कहीं कोई जगह नहीं थी, तो महाबलि ने अपना सिर प्रस्तुत कर दिया। इस पर भगवान विष्णु ने बलि की भक्ति और त्याग से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान दिया कि वह वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने आया करेंगे। वास्तव में ओणम का उत्सव उनके आगमन की खुशी का उत्सव है। यह पौराणिक कथा केवल धार्मिक आस्था की नहीं बल्कि आदर्श शासन-व्यवस्था, समानता, न्यायप्रियता, त्याग और जनकल्याण का संदेश देती है।

हर दिन होता है कुछ खास: ओणम की शुरुआत में सबसे पहले घरों के आंगन में फूलों की

के साथ चप्पू चलाते हैं। यह केवल प्रतियोगिता नहीं है बल्कि सामूहिकता, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन है।

धार्मिक-सामाजिक समभाव का पर्व: ओणम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी एक धर्म या एक समुदाय का पर्व नहीं है। केरल में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदाय के लोग भी इसे पूरे सम्मान और उत्साह से मनाते हैं। ओणम का महत्वपूर्ण सामाजिक पक्ष यह है कि यह वर्ग, जाति और धर्म की सीमाओं को पीछे छोड़कर लोगों को एक सूत्र में बांधता है। दस दिनों के इस उत्सव में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं, सामूहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं और सामूहिक भोज का आनंद उठाते हैं। यही कारण है कि ओणम को सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता का भी महापर्व कहा जाता है।

सबके साथ ओणसद्धा का आनंद: ओणम का जिक्र ओणसद्धा के बिना अधूरा है। केले के पत्ते पर परोसा जाने वाला यह पारंपरिक भोज केवल भोजन नहीं है, यह केरल की पाक संस्कृति का भी उत्सव है। इसमें अनेक प्रकार की सब्जियां, सांभर, अलियल, ओणम, थोरण, अचार, पापड़ और अंत में पायसम परोसा जाता है। इस भोजन की विशेषता यह होती है कि इसमें स्वाद के साथ संतुलित पोषण और सामूहिक भोजन की भावना भी शामिल होती है। परिवार व मित्र एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, जिससे आपसी संबंध और मजबूत होते हैं।

कृषि-प्रकृति से संबंध का प्रतीक: ओणम चूँकि वर्षा ऋतु के बाद अच्छी फसल आने की खुरशी का पर्व है, इसलिए इसका गहरा संबंध कृषि और प्रकृति से भी है। इस पर्व में की जाने वाली फूलों की सजावट, हरियाली, नई फसल और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान इस पर्व की प्रमुख विशेषता है। आज जब पर्यावरण संरक्षण पूरी दुनिया की चिंता बन चुका है, तब ओणम हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है। *

माई-बहन के स्नेह के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन को लेकर कई पौराणिक-ऐतिहासिक कथाएं प्रचलित हैं। लेकिन हाल के वर्षों में इस रिश्ते को गहन अर्थ देने वाली, कई ऐसी मार्मिक घटनाएं सामने आईं, जो अपने-आप में मिसाल हैं।

दिल को छूने वाले राखी के अनोखे किस्से



शिवम मिस्त्री को राखी बांधती अनामता अहमद



साठ साल बाद अपने भाइयों से मिली बलेश देवी

कुछ अलग
शिखर चंद जैन

रक्षाबंधन सिर्फ एक राखी या रेशमी धागा बांधने की रस्म भर नहीं, बल्कि मन से जुड़ा बंधन होता है। यह सिर्फ सगे भाई-बहन के बीच नहीं, किसी भी उस शख्स या चीज से स्नेह को दर्शाता है, जिससे भाई की अनुभूति मिलती है। ऐसी ही कुछ घटनाओं के बारे में जानिए।

अंगदान से मिला नया भाई: साल 2025 में अंगदान की एक बड़ी ही भावुक सच्ची घटना सामने आई। 9 साल की एक बच्ची रिया को डॉक्टरों ने ब्रेन-डेड घोषित कर दिया था। रिया के माता-पिता ने एक बेहद साहसिक फैसला लेते हुए उसके अंग दान कर दिए। रिया का हाथ ऑर्गन ट्रांसप्लान्ट के जरिए एक लड़की अनामता अहमद को लगाया गया। 8 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन के त्योहार पर, अनामता करीब 200 किलोमीटर का सफर तय करके रिया के घर पहुंची। वहां उसने रिया के सगे भाई शिवम मिस्त्री की कलाई पर उसी हाथ से राखी बांधी, जो कभी उसकी बहन का हुआ करता था। हुआ यह कि मुंबई के गोरगांव की रहने वाली 16 वर्षीय अनामता अहमद ने साल 2022 में बिजली के करंट की चपेट में आने से अपना दाहिना हाथ खो दिया था। सितंबर 2024 में गुजरात के वलसाड की 9 वर्षीय मासूम बच्ची रिया मिस्त्री को डॉक्टरों ने ब्रेन-हैमरेज के बाद ब्रेन-डेड घोषित कर दिया था। वलसाड की 'डोनेट लाइफ' एनजीओ की काउंसिलिंग के बाद रिया के माता-पिता ने उसके अंग दान कर दिए। ग्रीन कोरिडोर के जरिए रिया का दाहिना हाथ मुंबई लाया गया और ग्लोबल हॉस्पिटल पर अनामता को ट्रांसप्लान्ट किया गया।

इस अंगदान के बाद अनामता दुनिया की सबसे कम उम्र की 'शोलडर-लेवल हैंड ट्रांसप्लान्ट' प्राप्तकर्ता बनी। इस घटना ने भाई-बहन के रिश्ते की मार्मिक परिभाषा ही नहीं, इंसानियत की एक नई मिसाल भी पेश की।

साठ साल बाद मिली बिछड़ी बहन: यह घटना किसी फिल्मी कहानी जैसी है, जिसमें बचपन में बिछड़ी एक बहन बुढ़ापे में अपने भाइयों से मिली। करीब 60 साल पहले उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक स्थानीय मेले की भीड़ में 9 वर्ष की एक छोटी बच्ची अपने परिवार से बिछड़ गई थी। काफी तलाश के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला और एक अन्य परिवार ने उसे पाला-पोसा। दशकों बाद, सोशल मीडिया और कुछ स्थानीय लोगों की मदद से उसके पुराने परिवार का सुराग मिला। जब वह बुजुर्ग महिला (बलेश देवी) वापस अपने पैतृक गांव लौटी, तो संयोग से उस दिन रक्षाबंधन का ही त्योहार था। 60 साल बाद उसने पहली बार अपने बूढ़े भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, जिससे पूरा माहौल बेहद भावुक हो गया। महिला के पोते प्रशांत के प्रयासों और सोशल मीडिया की मदद से पुरानी कड़ियों को जोड़ा गया और दोनों परिवारों की पहचान सुनिश्चित की गई। 9 अगस्त 2025 को यह मामला खबरों में आया।

सैनिकों के लिए लाखों राखियां: देश की सहरदों पर चौबीसों घंटे तैनात रहने वाले भारतीय सेना के जवानों को घर की कमी महसूस न हो, इसके लिए दिल्ली के कई स्कूलों के छात्रों ने मिलकर कुछ वर्ष पहले एक अनोखी मुहिम चलाई

विशेष : रक्षाबंधन 28 अगस्त

थी। बच्चों ने अपने हाथों से तरह-तरह की सुंदर राखियां और उनके साथ सैनिकों के नाम शुभकामना संदेश लिखे। देखते ही देखते यह संख्या 72000 तक पहुंच गई। इसके अलावा तमिलनाडु का करूर जिला इस अभियान का मुख्य केंद्र बना। तमिलनाडु के करूर स्थित भरनी पार्क शिक्षण संस्थान के करीब 3000 छात्र-छात्राओं ने मिलकर 75000 से अधिक हस्तनिर्मित राखियां तैयार की थीं। इन राखियों की विशेषता यह थी कि इनमें से कई पर प्राचीन तमिल ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' के श्लोक छपे थे। इस तरह जब करीब 1.5 लाख राखियां एकत्रित हो गईं तो इसकी जानकारी तत्कालीन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी गई। उन्होंने 6 अगस्त 2022 को एक विशेष चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करवाई। रक्षा मंत्रालय ने इन राखियों को तीनों सेना प्रमुखों (थलसेना, नौसेना, वायुसेना) के जरिए सियाचिन ग्लेशियर, पर्वारण संरक्षण के लिए वृक्ष-रक्षाबंधन, ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर संकट और तेजी से कटते जंगलों के बीच पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देश के कई राज्यों (विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों) में 'वृक्ष रक्षाबंधन' की शुरुआत हुई। बिहार में 13 अगस्त 2012 से तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी शुरुआत की थी। तब से यहां रक्षाबंधन के दिन लोग जंगलों और अपने आस-पास के पार्कों में जाते हैं और पेड़ों को बड़े-बड़े रक्षासूत्र (राखियां) बांधते हैं। लोग इन पेड़ों को अपना भाई मानकर इनकी रक्षा करने और इन्हें कभी न काटने का संकल्प लेते हैं। ग्रामीण महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग जंगलों में जाकर देवदार, पीपल, बरगद जैसे बड़े पेड़ों पर हल्दी-मौली और सूती धागों से बनी विशाल राखियां बांधते हैं। उन्हें अपना 'वन-भाई' मानकर उनके संरक्षण की शपथ ली जाती है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए पर्यावरणविदों और वन विभाग के सहयोग से यह मुहिम अब एक बड़े जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। *

सिने डेंड अशोक जोशी

भारतीय परिवार व्यवस्था में भाई-बहन का रिश्ता अनोखा और प्यारा होता है। बचपन में जहां इसमें नोक-झोंक संख्या 72000 तक पहुंच गई। इसके अलावा तमिलनाडु का करूर जिला इस अभियान का मुख्य केंद्र बना। तमिलनाडु के करूर स्थित भरनी पार्क शिक्षण संस्थान के करीब 3000 छात्र-छात्राओं ने मिलकर 75000 से अधिक हस्तनिर्मित राखियां तैयार की थीं। इन राखियों की विशेषता यह थी कि इनमें से कई पर प्राचीन तमिल ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' के श्लोक छपे थे। इस तरह जब करीब 1.5 लाख राखियां एकत्रित हो गईं तो इसकी जानकारी तत्कालीन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी गई। उन्होंने 6 अगस्त 2022 को एक विशेष चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करवाई। रक्षा मंत्रालय ने इन राखियों को तीनों सेना प्रमुखों (थलसेना, नौसेना, वायुसेना) के जरिए सियाचिन ग्लेशियर, पर्वारण संरक्षण के लिए वृक्ष-रक्षाबंधन, ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर संकट और तेजी से कटते जंगलों के बीच पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देश के कई राज्यों (विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों) में 'वृक्ष रक्षाबंधन' की शुरुआत हुई। बिहार में 13 अगस्त 2012 से तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी शुरुआत की थी। तब से यहां रक्षाबंधन के दिन लोग जंगलों और अपने आस-पास के पार्कों में जाते हैं और पेड़ों को बड़े-बड़े रक्षासूत्र (राखियां) बांधते हैं। लोग इन पेड़ों को अपना भाई मानकर इनकी रक्षा करने और इन्हें कभी न काटने का संकल्प लेते हैं। ग्रामीण महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग जंगलों में जाकर देवदार, पीपल, बरगद जैसे बड़े पेड़ों पर हल्दी-मौली और सूती धागों से बनी विशाल राखियां बांधते हैं। उन्हें अपना 'वन-भाई' मानकर उनके संरक्षण की शपथ ली जाती है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए पर्यावरणविदों और वन विभाग के सहयोग से यह मुहिम अब एक बड़े जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। *

रतीय परिवार व्यवस्था में भाई-बहन का रिश्ता अनोखा और प्यारा होता है। बचपन में जहां इसमें नोक-झोंक संख्या 72000 तक पहुंच गई। इसके अलावा तमिलनाडु का करूर जिला इस अभियान का मुख्य केंद्र बना। तमिलनाडु के करूर स्थित भरनी पार्क शिक्षण संस्थान के करीब 3000 छात्र-छात्राओं ने मिलकर 75000 से अधिक हस्तनिर्मित राखियां तैयार की थीं। इन राखियों की विशेषता यह थी कि इनमें से कई पर प्राचीन तमिल ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' के श्लोक छपे थे। इस तरह जब करीब 1.5 लाख राखियां एकत्रित हो गईं तो इसकी जानकारी तत्कालीन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी गई। उन्होंने 6 अगस्त 2022 को एक विशेष चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करवाई। रक्षा मंत्रालय ने इन राखियों को तीनों सेना प्रमुखों (थलसेना, नौसेना, वायुसेना) के जरिए सियाचिन ग्लेशियर, पर्वारण संरक्षण के लिए वृक्ष-रक्षाबंधन, ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर संकट और तेजी से कटते जंगलों के बीच पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देश के कई राज्यों (विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों) में 'वृक्ष रक्षाबंधन' की शुरुआत हुई। बिहार में 13 अगस्त 2012 से तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी शुरुआत की थी। तब से यहां रक्षाबंधन के दिन लोग जंगलों और अपने आस-पास के पार्कों में जाते हैं और पेड़ों को बड़े-बड़े रक्षासूत्र (राखियां) बांधते हैं। लोग इन पेड़ों को अपना भाई मानकर इनकी रक्षा करने और इन्हें कभी न काटने का संकल्प लेते हैं। ग्रामीण महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग जंगलों में जाकर देवदार, पीपल, बरगद जैसे बड़े पेड़ों पर हल्दी-मौली और सूती धागों से बनी विशाल राखियां बांधते हैं। उन्हें अपना 'वन-भाई' मानकर उनके संरक्षण की शपथ ली जाती है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए पर्यावरणविदों और वन विभाग के सहयोग से यह मुहिम अब एक बड़े जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। *

एक सवाल हम सभी को अकसर परेशान करता है कि अगर हम आगे बढ़ना चाहते हैं, प्रगति के साथ सकारात्मक बदलाव करना चाहते हैं तो फिर अपनी जिंदगी में मनचाहा बदलाव क्यों नहीं ला पाते हैं? इसका जवाब हमें ठहरकर अपने भीतर ही खोजना होगा।



आप अपनी जिंदगी में क्यों नहीं बढ़ पा रहे आगे

सेल्फ मोटिवेशन
जोगिंदर रोहिल्ला

हम में बहुत से लोग गोल डिसाइड करते हैं। प्लान बनाते हैं। मोटिवेशन की किताबें पढ़ते हैं। अफमेशन करते हैं और अपने भविष्य को विजुअलाइज भी करते हैं। फिर भी जाने क्यों हम वो अचीव नहीं कर पाते हैं। तब अकसर हम दूसरे लोगों को, भाग्य को और परिस्थितियों को दोष देना शुरू करते हैं। सवाल है आखिर हमें आगे बढ़ने से रोकता क्या है?

सोच को रखें पॉजिटिव: डॉ. जो डिस्पेंजा की किताब 'बीकमिंग सुपरनेचुरल' इस बारे में जिंदगी को थोड़ा अलग नजरिए से देखने के लिए प्रेरित करती है। इसमें व्यक्त किया गया एक विचार खासतौर पर ध्यान खींचता है। इसके अनुसार, हमारे विचार और हमारी भावनाएं (इमोशन) हमारे शरीर से गहराई से जुड़ी हुई होती हैं। विचार, भावना को प्रभावित करता है। भावना फिर विचार को प्रभावित करती है। और यह चक्र चलता रहता है। बार-बार ऐसा होने पर यह हमारे लिए जाना-पहचाना बन जाता है। हमारा दिमाग उस पैटर्न को पहचानने लगता है और हम बिना सोचे उसी तरह प्रतिक्रिया देने लगते हैं। वही डर, वही चिंता, वही प्रस्ट्रेशन और वही आत्म-संदेह। वास्तव में हम अपनी जिंदगी को सचेत होकर नहीं जी रहे होते हैं। हम सिर्फ वही दोहरा रहे होते हैं, जो हमारे लिए जाना-पहचाना बन चुका है। इसी विचार को दूसरी कुछ किताबें भी अलग-अलग तरीके से सामने रखती हैं। शक्ति गांवैन की 'क्रिएटिव विजुअलाइजेशन' में बताया गया है कि जब हम अपने लक्ष्य और उस जीवन की एक स्पष्ट तस्वीर अपने मन में बनाते हैं, तो वह हमारी सोच और हमारे कार्र करने के तरीके को प्रभावित कर सकती है। 'द स्क्रैट' किताब ने भी जीवन में सफल होने के लिए विचारों, विश्वास और उम्मीदों के प्रभाव को लोकप्रिय बनाया। वहीं नेपोलियन हिल की 'थिंक एंड

ग्री रिच' किताब, इच्छा, कल्पना और स्पष्ट उद्देश्य की ताकत पर जोर देती है। सबका सार यही है कि हम जिस दिशा में बार-बार अपने विचार और एनर्जी लगाते हैं, वह हमारी जिंदगी को प्रभावित करने लगती है।

अपना कॉन्सेप्ट रखें क्लीयर: एक जरूरी बात यह भी है कि सिर्फ सकारात्मक सोच काफी नहीं है। आप सुबह कह सकते हैं, 'मेरी जिंदगी बदल रही है।' लेकिन अगर अगले दस घंटे आप चिंता करते रहें, शिकायत करते रहें, खुद पर संदेह करते रहें और हर चीज के गलत होने की कल्पना करते रहें, तो उस सोच का कोई फायदा नहीं होगा। सवाल यह है कि आप वास्तव में खुद के किस रूप की प्रैक्टिस कर रहे हैं? उस व्यक्ति की, जो अब तक दुख, डर को दोहराता आ रहा है या उस इंसान की, जो आप बनना चाहते हैं?

बदलाव के प्रति रहें दृढ़: ट्रांसफॉर्मेशन कुछ हद तक एक तितली की लाइफ साइकिल जैसा होता है। एक कैटरपिलर को तितली बनने के लिए अपने पुराने रूप को छोड़ना पड़ता है। वह हमेशा कैटरपिलर बने रहकर तितली नहीं बन सकता। शायद इंसानों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। हमारी बाहरी जिंदगी बदलने से पहले कई बार हमारे भीतर कुछ बदलना जरूरी होता है। इसलिए जब भी लगे कि मैं किसी नकारात्मक विचार के चक्र में जा रहा हूं तो रुककर खुद से एक सवाल पूछिए, 'क्या यह विचार मुझे उस इंसान के करीब ले जा रहा है, जो मैं आगे बनना चाहता हूं?' एनर्जी को दें सही दिशा: एक पुरानी बौद्ध शिक्षा हमें याद दिलाती है, 'हम जैसा सोचते हैं, धीरे-धीरे वैसे ही बनते जाते हैं।' आपका बदलाव उस समय शुरू होगा, जब आप उन विचारों, भावनाओं और आदतों को पहचानना शुरू करेंगे, जो आपको पीछे खींच रहे हैं और सचेत होकर उस इंसान की प्रैक्टिस करना शुरू करेंगे, जो आप बनना चाहते हैं। अगर आप अपनी जिंदगी बदलना चाहते हैं, तो शुरुआत नए विचार और नई भावना से करनी होगी। आपका बदलाव बाहर नहीं आपके भीतर, आपके विचार में ही छिपा हुआ है। *



माई-बहन के शाश्वत रिश्ते को केन्द्र में रखकर या इसके इर्द-गिर्द बुनी गई कहानियों और वास्तविकाओं पर हर दौर में हिंदी फिल्में बनती रही हैं। माई-बहन के स्नेह भरे रिश्ते के विविध आयामों को दर्शाती कुछ फिल्मों पर एक नजर।

हर दौर की फिल्मों में रची गई माई-बहन के रिश्ते की दास्तान



साथ-साथ हैं': नब्बे के दशक में सिनेमा ने संयुक्त परिवार और भाई-बहन के रिश्ते को अधिक घरेलू और सहज रूप में प्रस्तुत किया। 'हम साथ-साथ हैं' (1999) में भाई-बहनों के बीच प्रेम, विश्वास और त्याग



साथ-साथ हैं': नब्बे के दशक में सिनेमा ने संयुक्त परिवार और भाई-बहन के रिश्ते को अधिक घरेलू और सहज रूप में प्रस्तुत किया। 'हम साथ-साथ हैं' (1999) में भाई-बहनों के बीच प्रेम, विश्वास और त्याग कहानी का महत्वपूर्ण भाव है। यहां भाई-बहन केवल परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि एक-दूसरे के भावनात्मक ताकत के रूप में दिखाए गए हैं। फिल्म में सभी भाई अपनी बहन का पूरा खयाल रखते हैं, उसे अपेक्षित मान और आदर देते हैं।

सुरिखल वक्त में भाई के साथ खड़ी किसी की कहानी 'माय ब्रदर... निरिखल': नई सदी में भाई-बहन के रिश्ते की परिभाषा और विस्तृत हुई। अब बहन केवल भाई की सुरक्षा की जिम्मेदारी वाला पात्र नहीं रही। वह उसकी मित्र, विश्वासपात्र और संचर्ष की साथी भी बनी। 'माय ब्रदर... निरिखल' (2005) इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। फिल्म में बहन अपने भाई के कठिन दौर में उसके साथ जिस मजबूती से खड़ी रहती है, वह भाई-बहन के रिश्ते में समानता और भावनात्मक साझेदारी

को बहुत प्रभावी तरीके से सामने लाता है।

आधुनिक शहरी संदर्भ में भाई-बहन का रिश्ता 'दिल धड़कने दो': साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दिल धड़कने दो' में भी भाई-बहन का रिश्ता आधुनिक उच्चवर्गीय शहरी परिवार के संदर्भ में दिखाई देता है। दोनों अपने परिवार की अपेक्षाओं और व्यक्तिगत इच्छाओं के बीच संघर्ष करते हुए एक-दूसरे के भरोसेमंद भावनात्मक ताकत के साथी बने रहते हैं। यह फिल्म बदलते दौर की बदलती पारिवारिक संरचना के बीच भाई-बहन के भरोसे, स्नेह और अपनेपन को सामने लाती है।

भाई के लिए बहन के संघर्ष की कहानी दिखाती 'सरबजीत': 'सरबजीत' (2016) में भाई-बहन के रिश्ते का एक बिल्कुल अलग रूप दिखाई देता है। दलवीर कौर अपने भाई सरबजीत के लिए वर्षों तक संघर्ष करती है। यहां बहन किसी कमजोर या आश्रित पात्र के रूप में नहीं, बल्कि संघर्ष की अगली पंक्ति में खड़ी एक दृढ़ महिला के रूप में सामने आती है। यह फिल्म इस बात को रेखांकित करती है कि भाई-बहन का रिश्ता आवश्यकता पड़ने पर जीवन भर के संघर्ष का संबल बन सकता है। *

पर्ड से बाहर भी बने माई-बहन के रिश्ते

फिल्मी पर्दे पर कलाकर एक-दूसरे के भाई-बहन बने नजर आते हैं, जबकि अकसर वास्तविक जीवन में उनके बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं होता। इसके उलट फिल्मी दुनिया से जुड़ी कुछ हस्तियों ने पर्दे के बाहर भाई-बहन का रिश्ता कायम किया और इस आत्मीय रिश्ते को ताऊ निमाया भी। महान गायिका लता मंगेशकर के जीवन में ऐसे आत्मीय रिश्तों की विशेष जगह थी। उन्होंने कई कलाकारों के साथ उनकी पारिवारिक आत्मीयता थी। दिलीप कुमार के साथ उनका संबंध विशेष रूप से भावपूर्ण था। दिलीप कुमार उन्हें बहन मानते थे और लता जी भी उन्हें अपने भाई का स्थान देती थीं। राखी के अवसर पर दोनों का यह संबंध सार्वजनिक रूप से भी चर्चित रहा। ऐसे ही संगीतकार मदन मोहन और गायक मुकेश को भी लता जी अपना भाई मानती थीं। इन दोनों को लता जी 'भैया कडकर बुलारी' थीं और उन्हें राखी बांधती थीं।

